श्रावण कृष्ण पक्ष-4, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 28 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
02 अगस्त 2026 रविवार

आज का मौसम
28.3 अधिकतम
23.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सवाल तो उठना ही चाहिए... क्या पुलिसकर्मियों के मानवाधिकार नहीं हैं?

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि वह नागरिक को सरकार के खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार देता है। लेकिन लोकतंत्र की सबसे बड़ी मजबूरी भी यही है कि उसे कानून का शासन हर हाल में बनाए रखना पड़ता है। विरोध का अधिकार और कानून का राज... ये दोनों लोकतंत्र के दो ऐसे स्तंभ हैं जिनमें से किसी एक के कमजोर पड़ते ही पूरी व्यवस्था लड़खड़ाने लगती है। इसलिए किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि प्रदर्शनकारियों के साथ क्या हुआ; यह भी उतना ही महत्वपूर्ण प्रश्न है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिसकर्मियों के साथ क्या हुआ। ऐसा लगता है कि संसद में विपक्षी दलों का फ़ोकस दिल्ली ही रह गया है। देश के बाक़ी हिस्सों में घायल छात्र और पुलिस कर्मियों के इंसानी हक़ों से उनका कोई लेना देना नहीं है।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

हाल के घटनाक्रम में संसद की सुरक्षा-परिधि तक पहुंचने की कोशिश, निषिद्ध क्षेत्र में प्रवेश, पुलिस के साथ धक्का-मुक्की, पथराव और उसके बाद हुए बल प्रयोग पर देशभर में बहस छिड़ी। संसद से लेकर सड़क तक पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठे, लेकिन इस पूरे विमर्श में एक प्रश्न लगभग गायब रहा कि क्या ड्यूटी निभाते हुए घायल हुए पुलिसकर्मियों के भी मानवाधिकार हैं? विडंबना यह है कि जैसे ही पुलिस लाठीचार्ज करती है, मानवाधिकार की बहस पूरे देश में गूंजने लगती है। लेकिन जब वही पुलिसकर्मी पत्थरों, लाठियों या हिंसक भीड़ का सामना करते हुए घायल होते हैं, तब संवेदनाएं अचानक मौन हो जाती हैं। क्या वर्दी पहन लेने के बाद कोई व्यक्ति अपने संवैधानिक अधिकार खो देता है? क्या पुलिसकर्मी केवल इसलिए सहानुभूति के पात्र नहीं हैं क्योंकि वे राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं?

यह स्पष्ट होना चाहिए कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पुलिस को असीमित अधिकार प्राप्त नहीं हैं। कानून बल प्रयोग की अनुमति केवल विशेष परिस्थितियों में और न्यूनतम आवश्यक सीमा तक ही देता है। यदि कहीं आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग हुआ है, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन यही सिद्धांत भीड़ पर भी समान रूप से लागू होता है। यदि कोई समूह निषिद्ध क्षेत्र में प्रवेश करता है, पुलिस पर हमला करता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है या संसद जैसी संवेदनशील संस्थाओं की सुरक्षा को चुनौती देता है, तो उसे केवल आंदोलन का अधिकार कहकर उचित नहीं ठहराया जा सकता। दुर्भाग्य यह है कि भारत में मानवाधिकार का प्रश्न भी धीरे-धीरे राजनीतिक सुविधा का विषय बनता जा रहा है। घायल प्रदर्शनकारियों की तस्वीरें सुर्खियां बनती हैं, लेकिन घायल पुलिसकर्मियों की खबरें अक्सर हाशिए पर चली जाती हैं। जबकि संविधान किसी नागरिक और किसी पुलिसकर्मी के मानवाधिकारों में कोई भेद नहीं करता। दोनों की गरिमा समान है और दोनों की सुरक्षा भी समान रूप से महत्वपूर्ण है।

हाल के आंदोलन को लेकर अनेक राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी सामने आए हैं। आंदोलन के संगठन, संसाधनों, सोशल मीडिया पर उसकी असाधारण सक्रियता तथा उसके पीछे काम कर रहे विभिन्न तत्वों को लेकर कई तरह के प्रश्न उठाए गए हैं। इन सभी प्रश्नों के उत्तर राजनीतिक भाषणों से नहीं, बल्कि निष्पक्ष और पारदर्शी जांच से मिलने चाहिए। लोकतंत्र में आरोप नहीं, प्रमाण बोलते हैं और न्यायालयों का निर्णय ही अंतिम कसौटी होता है। एक और प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि हर पुलिस कार्रवाई को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा, तो भविष्य में कोई भी अधिकारी कठिन परिस्थितियों में कानून लागू करने का साहस कैसे करेगा? दूसरी ओर यदि पुलिस को बिना जवाबदेही के खुली छूट दे दी जाए, तो लोकतंत्र का संतुलन भी बिगड़ जाएगा। इसलिए समाधान किसी एक पक्ष के समर्थन में नहीं, बल्कि कानून के समान और निष्पक्ष अनुपालन में निहित है।

लोकतंत्र भीड़तंत्र से नहीं चलता और न ही पुलिस राज से। लोकतंत्र संविधान से चलता है। संविधान प्रदर्शन का अधिकार भी देता है और कानून लागू करने की जिम्मेदारी भी तय करता है। इसलिए मानवाधिकारों की बहस चयनात्मक (सिलेक्टिव) नहीं हो सकती। यदि घायल छात्र के लिए संवेदना आवश्यक है, तो घायल पुलिसकर्मी के लिए भी उतनी ही आवश्यक है। यदि नागरिक पर हुए अन्याय की जांच होनी चाहिए, तो पुलिस पर हुए हमले की भी समान गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

पूर्व की इन घटनाओं पर भी गौर फ़रमाया जाए

पिछले दो दशकों में देश ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, रेलवे भर्ती परीक्षा आंदोलन, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और अनेक राज्यों में छात्र आंदोलनों के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव देखे हैं। लगभग हर बड़े आंदोलन में दोनों पक्षों के लोग घायल हुए। लेकिन सार्वजनिक विमर्श प्रायः एक ही पक्ष की पीड़ा तक सीमित रहा। लोकतंत्र में यह प्रवृत्ति स्वस्थ नहीं कही जा सकती।

मीडिया के 'पीपली लाइव' पर भी चिंतन जरूरी

मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में गंभीर आत्ममंथन की मांग करती है। यदि कैमरे केवल पुलिस की कार्रवाई दिखाएं और पुलिस पर हुए हमले, घायल सुरक्षाकर्मियों, महिला पत्रकारों या अन्य नागरिकों के साथ हुई हिंसा को अपेक्षित स्थान न दें, तो समाज के सामने घटनाओं का संतुलित चित्र नहीं पहुंचता। पत्रकारिता का दायित्व किसी पक्ष का प्रवक्ता बनना नहीं, बल्कि संपूर्ण सत्य को सामने रखना है।

ह्यूमन राइट्स किसी एक पक्ष की बपौती नहीं

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर एक बुनियादी सिद्धांत को स्वीकार करें—मानवाधिकार किसी विचारधारा, दल, वर्दी या भीड़ की बपौती नहीं हैं। वे हर उस व्यक्ति के हैं जो कानून के दायरे में रहकर अपना कर्तव्य निभा रहा है या अपने अधिकारों का प्रयोग कर रहा है। जिस दिन यह संतुलन टूट जाएगा, उस दिन लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति, उसकी नैतिक वैधता भी कमजोर पड़ जाएगी।

न्यूज विंडो

कार से टकराने के बाद बाइक में लगी आग, दो युवकों की गई जान

खरगोन। प्रदेश के खरगोन जिले में देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जहां कसरावद थाना क्षेत्र के सैलानी बायपास मार्ग पर एक बाइक की कार से आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। कार और बाइक के बीच टक्कर इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल में भीषण आग लग गई, जबकि कार बेकाबू होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। इस दौरान कार का ड्राइवर मौके से भाग गया। मृतकों की पहचान जयंत वर्मा और लकी सेंगर के तौर पर हुई है।

पेरू में क्रैश हुआ टूरिस्ट प्लेन पायलट सहित 13 सवारों की मौत

लीमा। पेरू के नाजका शहर के पास एक बड़ा विमान हादसा हो गया। पर्यटकों को विश्व प्रसिद्ध नाज़का लाइन्स दिखाने जा रही एक टूरिस्ट फ्लाइट खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्लेन में सवार चालक दल समेत सभी 13 लोगों की मौत हो गई। प्लेन हादसे की पुष्टि स्थानीय अधिकारियों ने की है। अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान ने पास के इकाशहर से उड़ान भरी थी।

मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की गिलगित-बाल्टिस्तान में मौत

इस्लामाबाद। मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में हिमस्खलन की चपेट में आने से मौत हो गई। उनकी पर्वतारोहण कंपनी एलीट एक्सपेडिशन ने इसकी पुष्टि की है। निर्मल 30 जुलाई को काराकोरम इलाके में 8,051 मीटर ऊंची ब्रॉड पीक पर चढ़ाई कर रहे थे। इस दौरान करीब 7,000 मीटर की ऊंचाई पर यह हादसा हुआ।

बारामूला से आतंकी गिरफ्तार हथियार और गोला-बारूद बरामद

बारामूला। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। जिले के शेरी क्षेत्र के फथागढ़ इलाके में सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के संयुक्त अभियान के दौरान एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं।

नशा मुक्त युवा अभियान... सामाजिक प्रतिष्ठा की आड़ में छिपाएं नहीं नशे की लत

पीएम का Gen-Z को संदेश- ड्रग्स थोड़ी देर का 'हाई', जिंदगी भर का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान की शुरुआत की। नशे की लत के खिलाफ 100 सप्ताह तक चलने वाले इस अभियान में देश भर के 10 हजार से अधिक स्थानों से युवाओं ने भाग लिया। मोदी ने कहा युवाओं से कहा कि ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। माय भारत वॉलंटियर्स, यूथ क्लब, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, गैर-सरकारी संगठन, उद्योग संगठनों और 125 से अधिक आध्यात्मिक संगठन के प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से जुड़े।

पीएम मोदी ने कहा कि अगर कोई युवा गलती से नशे में फंस भी गया है तो इसका ये मतलब बिल्कुल नहीं है कि उसके सारे रास्ते बंद हो गए हैं। हमें हमेशा इस बात का ध्यान रखना है, घर का कोई बच्चा अगर नशे का शिकार बन गया है, तो इसे सामाजिक प्रतिष्ठा की आड़ में छिपाएं नहीं। जिसकी जरूरत हो, उसका सहयोग लें। मेडिकल हेल्प से अपने बच्चे को नशे से मुक्त कराने का प्रयास करें। हमें परिवार में बच्चों से खुलकर संवाद की संस्कृति भी बनानी चाहिए ताकि ऐसे भंवर में फंसने से पहले ही आप उसका हाथ थाम सकें।

10 हजार स्थानों से युवाओं ने लिया हिस्सा

100 सप्ताह तक चलेगी नशे के खिलाफ मुहिम

दुश्मन देश फायदा उठा रहे

पीएम ने कहा कि हमारे दुश्मन नशे में डुबे युवक को चंगुल में लेकर देश के खिलाफ साजिश रचते हैं। वह अपने ड्रग्स के बिजनेस को फैलाने के लिए ऐसे युवा की मदद लेते हैं। इसलिए हमें अपने युवाओं को संभालना होगा। नशे से पूरा घर बर्बाद हो जाता है। जब देश 'विकसित भारत' बनने की ओर बढ़ रहा है, तो यह बहुत जरूरी है कि हमारे युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हों, उनमें भरपूर आत्मविश्वास हो और वे हमेशा के लिए नशीले पदार्थों की जानलेवा लत से दूर रहें। यही इस अभियान का मकसद है... इस अभियान की शुरुआत पिछले साल काशी से एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर की गई थी। आज हमारे करोड़ों देशवासियों के कल्याण के लिए 125 से ज्यादा आध्यात्मिक संगठन हमारे साथ जुड़े हैं।

यह अभियान हर युवा मन को छूने वाला...

युवाओं से संवाद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ काम ऐसे होते हैं, जो व्यक्तिगत रूप से कोई प्रयास करे तो कभी-कभी निराश हो जाता है, थकान महसूस करता है, लंबी दूरी चलने में मन तैयार नहीं होता है, लेकिन जब सामूहिक अभियान बन जाता है और कंधे से कंधा मिलाकर करोड़ों लोग चल पड़ते हैं तो ऐसे सभी जो व्यक्तिगत रूप से अपने आप नहीं कर पाते हैं, उनको भी एक ऊर्जा मिल जाती है। आज उस ताकत को लेकर ये अभियान हर युवा मन को छूने वाला है। आज हम सभी जिस अभियान के साक्षी बन रहे हैं, वह अभियान व्यक्ति के लिए है, परिवार के लिए है, समाज के लिए भी है और सबसे बड़ी बात है कि ये राष्ट्र के लिए है। विकसित भारत संकल्प अभियान के लिए नशामुक्त युवा, इस मूवमेंट का नाम ही इसके संकल्प को स्पष्ट करता है।

आरटीआई कार्यकर्ता ने उठाए सवाल

अभिजीत दीपके और सीजेपी की वित्तीय जांच की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

सूरत के एक आरटीआई एक्टिविस्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दीपके के पिता भगवानराव दीपके की आय और वित्तीय स्थिति की जांच की मांग की है। उन्होंने सवाल उठाया है कि महाराष्ट्र सरकार के रिटायर कर्मचारी रहे भगवानराव दीपके ने अपने बेटे की विदेश में पढ़ाई का खर्च कैसे उठाया।

गुजरात के सूरत निवासी अमित तिवारी ने इस संबंध में चुनाव आयोग और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को लेटर लिखकर मामले की जांच की मांग की है। साथ ही उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की ओर से सीजेपी के प्रदर्शनकारियों के लिए घोषित एक करोड़ रुपये के कानूनी सहायता कोष की भी जांच की मांग की अपील की है।

आरटीआई एक्टिविस्ट ने कहा, 'कॉकरोच जनता पार्टी एक गैर-पंजीकृत संगठन है, लेकिन यह राजनीतिक दल के रूप में काम कर रही है। अगर उसे विधि कोष के रूप में एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई है, तो निर्वाचन आयोग को यह जांच करनी चाहिए कि क्या कॉकरोच जनता पार्टी जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत है या नहीं।'

भारी बारिश: केरलम और कर्नाटक में लैंडस्लाइड से 11 की मौत, 8 लापता

तिरुवनंतपुरम। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। केरलम में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और बाढ़ से 11 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 65 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 1,465 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में आज सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन , उनकी पत्नी नागवेणी और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं।

समझौते का दावा: होर्मुज स्ट्रेट खोलने और परमाणु खतरा खत्म करने पर बनी सहमति

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडिल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था।

उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। -जंग से थका अमेरिका...देखें पेज-8

नीट-यूजी 2026: काउंसलिंग 4 अगस्त से होगी, 8 सितंबर से सत्र की शुरुआत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने घोषणा की है कि नीट-यूजी 2026 के अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) के लिए काउंसलिंग 4 अगस्त से शुरू होगी और शैक्षणिक सत्र 8 सितंबर से शुरू होगा। एनटीए ने सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा कि नीट-यूजी 2026 के लिए अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) और राज्य कोटा काउंसलिंग का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026, बहन ने बताई स्वर्णिम जीत की भावुक कहानी

बुखार में भी नहीं डगमगाए अरुंधति के कदम, देश के लिए जीता गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

कहते हैं, अगर हौसले बुलंद हों तो पहाड़ का सीना चीरकर भी रास्ता बनाया जा सकता है। ऐसा ही कुछ भारत की महिला बॉक्सर अरुंधति चौधरी ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में कर दिखाया। अरुंधति ने 70 किलो वर्ग के फाइनल में इंग्लैंड की शेंटेले रीड को 5-0 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। बॉक्सिंग में भारत के लिए ये 5वां गोल्ड था, लेकिन अरुंधति ने भारत के लिए ये गोल्डन पंच कैसे लगाया इसके पीछे की भावुक कहानी उनकी बहन चारू ने बताई।

राजस्थान के कोटा शहर की रहने वाली अरुंधति की जीत पर उनके घर में त्योहार जैसा माहौल था। उनकी बहन चारू खुशी से उछल रहीं थी। सभी एक-दूसरे का मुंह मीठा करा रहे थे, लेकिन अरुंधती ने किस दर्द में भारत के लिए मेडल जीता वो कई नहीं जातना था। उनकी बहन ने एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि फाइनल से पहले अरंधति को करीब 102 डिग्री बुखार था, उनका बदन तप रहा था लेकिन इसके बावजूद उसके कदम नहीं डगमगाए और उन्होंने देश के लिए मेडल जीता। अरुंधति ने बताया कि, 'आज मुझे अपनी बहन पर बहुत गर्व है। आप देख सकते हैं कि हम कितने खुश हैं, हम अपनी खुशी छिपा नहीं पा रहे हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों ने सात गोल्ड मेडल जीते। इनमें से 6 गोल्ड हरियाणा के बॉक्सरों ने जीते हैं। हरियाणा से अलग अरुंधति इकलौती ऐसी बॉक्सर थीं, जिन्होंने सोने का तमगा अपने नाम किया। हालांकि, इस उपलब्धि को हासिल करना उनके लिए आसान नहीं था। उनके पिता सुरेश चौधरी चाहते थे कि वह पढ़ाई करें, क्योंकि वे पढ़ने में काफी होशियार थीं। लेकिन, अरुंधति का मन खेल में भी खूब लगता था।

एक सपना संजोया था.. भारत के लिए ओलंपिक में गोल्ड जीतना

पिता की चाहत से अलग अरुंधति ने अपने लिए एक सपना संजोया और वह सपना था, भारत के लिए ओलंपिक में गोल्ड जीतना। शुरुआत में वे बास्केटबॉल खेला करती थीं, लेकिन बाद में उन्होंने बॉक्सिंग को चुन। बॉक्सिंग में भी अरुंधति के लिए सब कुछ आसान नहीं था, क्योंकि कोटा में बॉक्सिंग कोच तक की सुविधा नहीं थी। इसके कारण उन्हें ट्रेनिंग लेने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन कॉमनवेल्थ में गोल्ड जीतकर उन्होंने अपनी मेहनत को सफल कर दिखाया।

उद्घाटन के कुछ दिन बाद ही निशातपुरा स्टेशन की दीवारों में आईं दरारें

करोड़ों की लागत से बने स्टेशन भवन में दिखीं खामियां, स्थानीय लोगों ने तकनीकी जांच और गुणवत्ता परीक्षण की उठाई मांग

भोपाल/बीना. दोपहर मेट्रो

करोड़ों रुपये की लागत से विकसित भोपाल के निशातपुरा रेलवे स्टेशन का उद्घाटन हुए अभी कुछ ही दिन बीते हैं, लेकिन स्टेशन भवन की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्टेशन परिसर की कई दीवारों पर दरारें, उखड़ता प्लास्टर और जर्जर हिस्से दिखाई देने से यात्रियों और स्थानीय नागरिकों में चिंता बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्टेशन को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस बताकर बड़े स्तर पर उद्घाटित किया गया था, उसी भवन में इतनी जल्दी खामियां सामने आना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते इन कमियों की जांच और मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। बारिश के मौसम में स्थिति और चिंताजनक हो गई है। कई स्थानों पर दीवारों में नमी दिखाई दे रही है और प्लास्टर उखड़ने की शिकायतें भी सामने आई हैं। प्रतिदिन हजारों यात्रियों की आवाजाही वाले इस स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोग रेलवे प्रशासन से तत्काल कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने स्टेशन भवन का विस्तृत तकनीकी निरीक्षण कराने, दीवारों में आई दरारों की शीघ्र मरम्मत कराने और निर्माण कार्य की जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्टेशन का नियमित निरीक्षण और रखरखाव सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

पीसी-पीएनडीटी कानून के उल्लंघन की शिकायतों पर कार्रवाई

भोपाल में भ्रूण लिंग परीक्षण पर बड़ी कार्रवाई निरामय अस्पताल की अल्ट्रासाउंड मशीन सील

भोपाल. दोपहर मेट्रो

राजधानी में अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए निरामय अस्पताल की अल्ट्रासाउंड मशीन सील कर दी है। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई के बाद शहर के निजी अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों में हड़कंप मच गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) मनीष शर्मा ने बताया कि अस्पताल में पीसी-पीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन कर अवैध रूप से भ्रूण लिंग परीक्षण किए जाने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के सत्यापन के बाद सीएमएचओ के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके आधार पर विभाग ने मौके पर ही अल्ट्रासाउंड मशीन को सील कर दिया।

सीएमएचओ ने स्पष्ट किया कि मामले में अस्पताल प्रबंधन और संबंधित जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने साफ किया है कि जिले में अवैध लिंग परीक्षण और कन्या भ्रूण हत्या जैसे मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पीसी-पीएनडीटी अधिनियम का उल्लंघन करने वाले किसी भी अस्पताल या डायग्नोस्टिक सेंटर को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सभी निजी संस्थानों को नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी भी दी है।

यह है पीसी-पीएनडीटी अधिनियम

भ्रूण लिंग परीक्षण और कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार ने पीसी-पीएनडीटी (प्री-कन्सेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स) अधिनियम लागू किया है। इस कानून के तहत गर्भ में पल रहे शिशु का लिंग बताना, उसकी जांच करना या इससे जुड़ा प्रचार-प्रसार करना पूरी तरह प्रतिबंधित है। कानून का उल्लंघन करने पर डॉक्टर, अस्पताल और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जा सकता है। दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की जेल और आर्थिक दंड का प्रावधान है। इसके अलावा अस्पताल या सेंटर का पंजीकरण भी रद्द किया जा सकता है। इस कानून का उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना और समाज में लिंगानुपात को संतुलित बनाए रखना है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध लिंग परीक्षण और कन्या भ्रूण हत्या के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, पीसी-पीएनडीटी अधिनियम का उल्लंघन करने वाले किसी भी अस्पताल, क्लीनिक या डायग्नोस्टिक सेंटर के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने निजी अस्पतालों और जांच केंद्रों को चेतावनी दी है कि वे कानून के सभी प्रावधानों का पालन करें।

ऐसे हुई कार्रवाई

स्वास्थ्य विभाग को निरामय अस्पताल में अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के सत्यापन के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मनीष शर्मा के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया और दस्तावेजों तथा रिकॉर्ड की जांच की। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अस्पताल की अल्ट्रासाउंड मशीन को सील कर दिया। विभाग का कहना है कि मामले से जुड़े सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ न्यायालय में परिवाद दायर किया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद शहर के अन्य निजी अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों में भी सतर्कता बढ़ गई है।

टीवी का चैनल बदलते ही भड़क गई पत्नी, हंसिए से किया पति पर हमला

भोपाल. दोपहर मेट्रो

पत्नी की मर्जी के खिलाफ टीवी का चैनल बदलना एक युवक को भारी पड़ गया। छोला मंदिर थाना क्षेत्र में गुस्साई महिला ने अपने पति पर हंसिए से हमला कर दिया। हमले में पति के सिर और गाल के पास गंभीर चोट आई। घर में मौजूद स्वजनों ने बीच-बचाव किया तब पति की जान बच सकी।

छोला पुलिस ने घायल का मेडिकल कराने के बाद आरोपित पत्नी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार घायल राकेश अहिरवार (32) मूल रूप से विदिशा जिले के निवासी हैं। र्तमान में नगर निगम कॉलोनी में रहकर मजदूरी करते हैं। राकेश ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी राममनी अहिरवार अक्सर घरेलू बातों को लेकर विवाद करती है। राकेश नशे की हालत में घर पहुंचे। उस समय उनकी पत्नी टीवी देख रही थी। इसी दौरान राकेश से गलती से टीवी का चैनल बदल गया। मामूली बात पर पत्नी गुस्से में आ गई और घर में रखा हंसिया उठाकर उन पर हमला कर दिया। वार उनके सिर और गाल के पास लगा, जिससे वह लहूलुहान हो गए। घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां मेडिकल परीक्षण में धारदार हथियार से गंभीर चोट लगने की पुष्टि हुई। मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद छोला मंदिर थाना पुलिस ने आरोपित पत्नी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया। फिलहाल पत्नी की गिरफ्तारी नहीं की गई है।

हिस्ट्रीशीटर बदमाश ने देर रात तलवार लहराकर फैलाई दहशत, पुलिस ने वहीं निकाला जुलूस

भोपाल. दोपहर मेट्रो

राजधानी के तलैया थाना क्षेत्र स्थित इतवारा इलाके में देर रात एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश ने हाथ में तलवार लेकर सड़क पर जमकर दहशत फैलाई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी अदनान बच्चा (19) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई तलवार भी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार, अदनान तलवार लेकर इलाके की सड़कों पर घूम रहा था। इस दौरान वह राहगीरों को धमकाते हुए क्षेत्र में भय का माहौल बनाने की कोशिश कर रहा था। घटना की जानकारी मिलने और वीडियो सामने आने के बाद तलैया थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसी सड़क पर आरोपी का पैदल जुलूस निकाला, जहां उसने देर रात उत्पात मचाया था। इस कार्रवाई का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम करना और अपराधियों को सख्त संदेश देना बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अदनान तलैया थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसका नाम पुलिस की गुंडा सूची में शामिल है। उसके खिलाफ पहले से आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। अदनान बच्चा (19) तलैया थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। अदनान तलवार लेकर इतवारा इलाके में घूमता दिखाई दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से तलवार भी बरामद की गई है।

...अब नहीं चलेगा वीआईपी रुतबा, हूटर-बत्ती लगी गाड़ियों पर पुलिस का शिकंजा

मध्य प्रदेश में 10 अगस्त तक चलेगा विशेष अभियान

भोपाल. दोपहर मेट्रो

सड़कों पर हूटर, लाल-पीली बत्ती और फर्जी शासकीय स्टीकर लगाकर रुतबा दिखाने वालों के खिलाफ मध्य प्रदेश पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर प्रदेशभर में 1 अगस्त से 10 अगस्त तक विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चालान और वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अभियान के तहत अवैध रूप से हूटर और लाल-पीली बत्ती लगाने वाले वाहनों के अलावा फर्जी शासकीय स्टीकर, काली फिल्म (टिंटेड ग्लास) और निर्धारित मानकों के विपरीत लगाई गई फैंसी नंबर प्लेट वाले वाहनों की भी जांच की जाएगी। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को सघन चेकिंग अभियान चलाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कई लोग निजी वाहनों पर हूटर, बत्ती और सरकारी पहचान दर्शाने वाले स्टीकर लगाकर वीआईपी होने का दिखावा करते हैं, जिससे आम लोगों को परेशानी होती है और यातायात नियमों का उल्लंघन भी बढ़ता है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 19 अप्रैल 2017 को मंत्रियों और अधिकारियों के वाहनों से लाल-पीली बत्ती हटाने का फैसला लिया था, जो 1 मई 2017 से पूरे देश में लागू हो गया था। इसके बावजूद कई लोग अब भी नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। ऐसे मामलों पर रोक लगाने और वीआईपी संस्कृति खत्म करने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

बारिश में लापरवाही पड़ेगी भारी, घाटों और वॉटरफॉल्स पर बढ़ेगी सख्ती, रील बनाने वालों पर पुलिस करेगी कार्रवाई

भोपाल. दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच नदियां, बांध, तालाब और वॉटरफॉल पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। बड़ी संख्या में लोग प्राकृतिक स्थलों का आनंद लेने पहुंच रहे हैं, लेकिन बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव के कारण हादसों का खतरा भी बढ़ गया है। संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने का फैसला लिया है।

सरकार ने सभी जिला प्रशासन और नगर निकायों को निर्देश जारी करते हुए घाटों, बांधों और वॉटरफॉल्स के आसपास व्यापक सुरक्षा इंतजाम करने को कहा है। संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में बैरिकेडिंग की जाएगी तथा लोगों को सतर्क करने के लिए चेतावनी बोर्ड लगाए जाएंगे। इसके अलावा पुलिस बल और होमगार्ड के जवानों की तैनाती भी की जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। प्रशासन ने नगरीय निकायों को शहर के सभी सीवर चैंबरों का तत्काल सर्वे करने के निर्देश दिए हैं। टूटे या क्षतिग्रस्त ढक्कनों को बदलने और मरम्मत कार्य जल्द पूरा करने के लिए कहा गया है, जिससे बारिश के दौरान लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

वहीं, पुलिस और प्रशासन ने नदियों, झरनों और बांधों के किनारे जान जोखिम में डालकर रील बनाने और सेल्फी लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। तेज बहाव और फिसलन वाली चट्टानों के पास लोगों को जाने से रोका जाएगा। सुरक्षा को देखते हुए बांधों के बैकवॉटर और गहरे जल क्षेत्रों में नौकायन गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। राजस्व विभाग, वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीमें लगातार गश्त करेंगी और लोगों को खतरनाक स्थानों से दूर रहने के लिए जागरूक करेंगी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि बारिश के मौसम में सुरक्षा नियमों का पालन करें और अपनी जान जोखिम में न डालें।

मेट्रो एंकर — भोपाल से दिल्ली और मुंबई के लिए शुरू हुईं तीन नई उड़ानें

भोपाल से दिल्ली की पहली फ्लाइट को मिला भव्य वाटर सैल्यूट

भोपाल. दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट से हवाई यात्रियों के लिए बड़ी सौगात मिली है। एयर इंडिया की सहयोगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शनिवार से भोपाल में अपना बेस स्टेशन शुरू कर दिया। इसके साथ ही दिल्ली के लिए दो और मुंबई के लिए एक नई उड़ान सेवा की शुरुआत हुई है। दिल्ली से दोपहर 12.10 बजे पहुंची पहली उड़ान का एयरपोर्ट अथॉरिटी के फायर अमले ने वाटर सैल्यूट देकर भव्य स्वागत किया।

एयरपोर्ट डायरेक्टर आलोक त्रिपाठी और एआई एक्सप्रेस प्रबंधन ने भोपाल से दिल्ली रवाना होने वाले यात्रियों को बोर्डिंग पास सौंपकर बेस स्टेशन का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर केक काटकर खुशी भी साझा की गई। कंपनी दिल्ली और मुंबई रूट पर बोइंग और एयरबस विमानों का संचालन करेगी। पहले ही दिन इन उड़ानों में करीब 80 प्रतिशत यात्री भार दर्ज किया गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एयरपोर्ट परिसर में अपना बुकिंग कार्यालय भी शुरू कर दिया है। नई उड़ानों के शुरू होने के बाद भोपाल से दिल्ली के लिए कुल पांच और मुंबई के लिए तीन नियमित उड़ानें संचालित होने लगी हैं। इससे यात्रियों को अधिक विकल्प मिलने के साथ किरायों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है। एयरलाइन भविष्य में अन्य शहरों के लिए भी सेवाएं शुरू कर सकती है।

दिल्ली के लिए दो नई उड़ानें, बढ़ी सुविधा

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भोपाल और दिल्ली के बीच दो नई उड़ानें शुरू की हैं। पहली उड़ान आईएक्स-1789 सुबह 10.40 बजे दिल्ली से रवाना होकर दोपहर 12.05 बजे भोपाल पहुंचेगी। वापसी में यह उड़ान दोपहर 12.45 बजे भोपाल से उड़ान भरकर दोपहर 2.15 बजे दिल्ली पहुंचेगी। दूसरी उड़ान आईएक्स-1791 दोपहर 3.05 बजे दिल्ली से रवाना होकर शाम 4.30 बजे भोपाल पहुंचेगी। वापसी में आईएक्स-1792 शाम 5.10 बजे भोपाल से उड़ान भरकर शाम 6.40 बजे दिल्ली पहुंचेगी। नई सेवाओं के शुरू होने से अब भोपाल और दिल्ली के बीच कुल पांच उड़ानें संचालित होंगी, जिससे व्यापारियों और पर्यटकों को राहत मिलेगी।

मुंबई रूट पर भी बढ़ी कनेक्टिविटी

भोपाल और मुंबई के बीच एयर इंडिया एक्सप्रेस ने नई उड़ान आईएक्स-1788 और आईएक्स-1798 की शुरुआत की है। यह उड़ान सुबह 11.20 बजे मुंबई से रवाना होकर दोपहर 1 बजे भोपाल पहुंचेगी। वापसी में विमान दोपहर 1.40 बजे भोपाल से उड़ान भरकर दोपहर 3.25 बजे मुंबई पहुंचेगा। नई सेवा शुरू होने के बाद भोपाल से मुंबई के लिए कुल तीन नियमित उड़ानें उपलब्ध हो गई हैं। एयरलाइन अधिकारियों के अनुसार, भविष्य में भोपाल को अन्य प्रमुख शहरों से जोड़ने की भी योजना है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते यात्रियों को सस्ती दरों पर टिकट मिलने की उम्मीद है, जिससे हवाई यात्रा और अधिक सुविधाजनक बनेगी।

फर्जी पुलिस बनकर वसूली करने निकले दो युवक गिरफ्तार

भोपाल। राजधानी के शाहपुरा इलाके में फर्जी पुलिस बनकर वाहन चालकों से वसूली करने वाले दो युवकों को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी पुलिस लिखी गाड़ी से बिना हेलमेट बाइक सवारों का पीछा करते थे और चालान का डर दिखाकर रुपये ऐंठते थे। जो नहीं रुकता, उसे नकली पिस्टल दिखाकर धमकाया जाता था। पूछताछ में दोनों ने पहले खुद को कोहेफिजा थाने में पदस्थ बताया, लेकिन पहचान पत्र नहीं दिखा सके। बाद में इसे 'प्रैंक' बताया। गिरफ्तार आरोपियों अमान खान और कार्तिक मिश्रा से पुलिस पूछताछ कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस का टैलेंट हंट ही सवालों के घेरे में, तीन महीनें से दिल्ली में धूल खा रही प्रवक्ताओं की लिस्ट

500 आवेदन, कई दौर के इंटरव्यू, फिर भी फैसला अधूरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कांग्रेस में नए प्रवक्ताओं और मीडिया टीम के गठन के लिए शुरू किया गया टैलेंट हंट अब पार्टी के लिए ही इंतजार का मुद्दा बन गया है। आवेदन बुलाने से लेकर संभाग और प्रदेश स्तर पर साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी तीन महीने से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन नए प्रवक्ताओं की सूची अब तक जारी नहीं हुई। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अंतिम सूची दिल्ली में मंजूरी के इंतजार में अटकी है। इसका असर उन नेताओं और युवाओं पर पड़ रहा है, जिन्होंने कांग्रेस के मीडिया विभाग में जिम्मेदारी पाने के लिए आवेदन किया था। पार्टी ने नए चेहरों को तलाशने और उन्हें आगे लाने की कोशिश शुरू की, लेकिन प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी इन चेहरों को पार्टी का औपचारिक राजनीतिक मंच नहीं मिल सका है।

500 के करीब आवेदन, कई चरणों में चयन प्रक्रिया- प्रदेश कांग्रेस ने प्रवक्ता और मीडिया से जुड़े अलग-अलग पदों के लिए टैलेंट हंट शुरू किया था। 28 फरवरी तक आवेदन मांगे गए थे। प्रदेशभर से करीब 500 लोगों ने आवेदन किया। इसके बाद मार्च में संभाग स्तर पर साक्षात्कार हुए और चुने गए उम्मीदवारों के प्रदेश स्तर पर भी साक्षात्कार लिए गए। भोपाल में वरिष्ठ नेताओं की समिति ने उम्मीदवारों को परखा। योजना के मुताबिक प्रदेश स्तर पर करीब 20 प्रवक्ताओं के साथ शोध, मीडिया और प्रचार-प्रसार से जुड़े पदों पर भी नई नियुक्तियां की जानी थीं।

मकसद था नए चेहरों को आगे लाना

टैलेंट हंट की कवायद का उद्देश्य कांग्रेस के लिए ऐसे नए चेहरे तैयार करना था, जो पार्टी की विचारधारा को मजबूती से रख सकें और समसामयिक मुद्दों पर तथ्यों व शोध के आधार पर जवाब दे सकें। खास तौर पर युवाओं और ऐसे लोगों को मौका देने की बात कही गई थी, जो सामाजिक रूप से सक्रिय हैं, लेकिन अब तक सक्रिय राजनीति में बड़ा चेहरा नहीं रहे हैं। हालांकि साक्षात्कार और चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी सूची जारी नहीं होने से अब पार्टी के भीतर ही सवाल उठने लगे हैं। चर्चा यह है कि जब उम्मीदवारों की छंटनी और चयन का काम पूरा हो चुका है, तो अंतिम सूची जारी करने में इतना समय क्यों लग रहा है।

सिर्फ नाम देखकर जिम्मेदारी नहीं दी जा सकती

पूर्व कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने चयन प्रक्रिया का बचाव किया है। उनका कहना है कि पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर नए पदाधिकारियों के चयन के लिए साक्षात्कार आधारित प्रक्रिया अपनाई गई है। ऑनलाइन माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों ने आवेदन किया और इसके बाद अलग-अलग स्तर पर छंटनी की गई। त्रिपाठी के मुताबिक पार्टी की कोशिश ऐसे लोगों को अवसर देने की है, जो सामाजिक रूप से सक्रिय हैं, मौजूदा समस्याओं को मजबूती से उठाना चाहते हैं और सार्वजनिक जीवन में काम करने की रुचि रखते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाली सूची में ऐसे युवा भी शामिल हो सकते हैं, जो गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि और मध्यमवर्गीय परिवारों से आते हैं, लेकिन राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं।

चयन में देरी को लेकर त्रिपाठी का तर्क

तीन महीने से ज्यादा की देरी पर त्रिपाठी का तर्क है कि पार्टी जल्दबाजी में सिर्फ पद बांटने के बजाय उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि, उनकी उपलब्धियों और उनकी क्षमता को समझने पर जोर दे रही है। उनका कहना है कि यह सामान्य सदस्यता अभियान जैसा मामला नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी देने से पहले यह देखना जरूरी है कि कौन व्यक्ति किस क्षेत्र में प्रभावी ढंग से काम कर सकता है। यानी पार्टी के भीतर इस देरी को प्रक्रिया का हिस्सा बताया जा रहा है, जबकि दूसरी ओर लंबे समय से सूची का इंतजार कर रहे दावेदारों के बीच बेचैनी बढ़ रही है।

तीन महीने से बाद भी मंच का इंतजार

टैलेंट हंट से जुड़े कई दावेदारों के लिए सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब साक्षात्कार और चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, तो उन्हें जिम्मेदारी कब मिलेगी। कांग्रेस लगातार संगठन को मजबूत करने और नए चेहरों को आगे लाने की बात करती रही है, लेकिन प्रवक्ता पद के लिए चल रही यह प्रक्रिया अब खुद लंबी खिंचती जा रही है। अब नजर इस बात पर है कि तीन महीने से ज्यादा समय से अटकी सूची कब सार्वजनिक होती है और टैलेंट हंट में चयनित नए चेहरों को कांग्रेस के राजनीतिक और मीडिया मंच पर वास्तव में कब जगह मिलती है।

सीएम मोहन का बड़ा ऐलान, एम्स की तर्ज पर मेडिकल यूनिवर्सिटी की भी सौगात

जबलपुर को मिलेगी मेट्रोपॉलिटन सिटी की पहचान, एक साल में तैयार होगा प्रपोजल

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के विकास को नई रफ्तार देने वाली कई बड़ी घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले एक वर्ष में नगर निगम जबलपुर को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने कमिश्नर, कलेक्टर और संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द ड्राफ्ट प्रपोजल तैयार करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का मूल मंत्र सेवा और सुशासन है। प्रदेश के नागरिकों की सुख-समृद्धि और विकास के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जनता से जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। ÷सच्चा वादा, पक्का काम÷ के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। जबलपुर के गीता भवन परिसर में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जिले के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि जबलपुर में जल्द ही फर्नीचर क्लस्टर विकसित किया जाएगा, जिससे स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी को मध्यप्रदेश के एम्स यानी राज्यस्तरीय आयुर्विज्ञान संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए इसे अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा।

मदन महल पहाड़ी के पास बनेगा चिड़ियाघर

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने जबलपुर में नए चिड़ियाघर के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जबलपुर और आसपास के राष्ट्रीय उद्यानों में आने वाले पर्यटकों के लिए वन्यजीवों को करीब से देखने की सुविधा विकसित की जाएगी। मदन महल पहाड़ी के पास बनने वाला यह चिड़ियाघर पर्यटन का नया केंद्र बनेगा। इसके अलावा जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में जरूरत के अनुसार सांदीपनि विद्यालय खोलने की घोषणा भी मुख्यमंत्री ने की। इन विद्यालयों का उद्देश्य बच्चों को संस्कारयुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है।

397 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर शहर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने के लिए करीब 397 करोड़ रुपये के पांच विकास कार्यों का लोकार्पण और शुभारंभ किया। उन्होंने नगर निगम के स्वच्छता अभियान पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। इस दौरान पात्र रेहड़ी-पटरी और स्ट्रीट वेंडर्स को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत डिजिटल क्रेडिट कार्ड वितरित किए गए।

11 लाख पौधरोपण अभियान की शुरुआत

मुख्यमंत्री ने जबलपुर से 11 लाख पौधे लगाने के महाअभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि पेड़ जीवन के आधार हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति को योगदान देना चाहिए। उन्होंने जापान की मियावाकी पद्धति का जिक्र करते हुए कहा कि इसके माध्यम से कम समय में घने वन विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश नदियों और जंगलों की समृद्ध विरासत वाला राज्य है। नर्मदा सहित प्रदेश की प्रमुख नदियां लाखों लोगों के जीवन का आधार हैं।

शिक्षा और रोजगार पर सरकार का फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष 10 हजार शिक्षकों की भर्ती की गई है, जबकि पुलिस विभाग में 18 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब 75 से अधिक विश्वविद्यालय हैं और सरकार का लक्ष्य है कि यहां के शिक्षण संस्थान उच्च गुणवत्ता के केंद्र बनें। जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी को एम्स की तर्ज पर विकसित करना इसी दिशा में बड़ा कदम है।

पहले की गिनती गलत थी या संरक्षण की रफ्तार थमी

26 साल बाद भी प्रदेश में बाघों की संख्या लगभग जस की तस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश में बाघों की संख्या को लेकर पिछले दो दशकों के आंकड़ों से नई बहस छिड़ गई है। वर्ष 2010 में संसद में दिए गए एक जवाब में सरकार ने बताया था कि वर्ष 2001-02 में राज्यों की ओर से पगमार्क पंजों के निशान पद्धति के आधार पर देश में 3,642 और मध्य प्रदेश में 710 बाघ थे। वहीं, वर्ष 2022 की ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन में देश में बाघों की औसत संख्या 3,682 और मध्य प्रदेश में 785 दर्ज की गई। यह गणना कैमरा ट्रैप, डीएनए, साइन सर्वे और वैज्ञानिक विश्लेषण जैसी आधुनिक तकनीकों से की गई है। यानी 26 साल के अंतराल में देशभर में बाघों की संख्या में केवल 40 और मध्य प्रदेश में 75 का अंतर दिखाई देता है। हालांकि, दोनों आंकड़ों की गणना पद्धति अलग-अलग है, इसलिए इनकी सीधी तुलना करना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं माना जाता। 2006 से भारत में पगमार्क पद्धति की जगह वैज्ञानिक ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन लागू किया गया, जिसे अधिक विश्वसनीय माना जाता है। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि यह तुलना एक अहम सवाल जरूर खड़ा करती है कि क्या पगमार्क पद्धति से बाघों की संख्या का अनुमान वास्तविकता से अधिक था, या फिर आज भी संरक्षण की बड़ी चुनौतियों के कारण बाघों की संख्या अपेक्षित गति से नहीं बढ़ पा रही है।

भारत सरकार बाघों की संख्या में छह प्रतिशत की हर साल वृद्धि मान कर चल रही है। ऐसे में बाघों की संख्या में बढ़ोतरी के बजाए कमी कई सवाल खड़े कर रही है। वहीं, यदि बाघों की मौत के एनटीसीए की वेबसाइट पर आंकड़े देखें तो 2012 से 2026 के बीच 1700 से ज्यादा मौत दर्ज की गई है। वहीं, बाघ प्रोजेक्ट पर सरकार हर साल औसत 100 करोड़ रुपये खर्च करना मानें तो यह आंकड़ा पिछले 26 साल में 2500 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो जाता हैं।

पगमार्क और कैमरा ट्रैप में यह है अंतर

पगमार्क पद्धति - पुरानी पद्धति में जंगल में मिले बाघ के पंजों के निशान देखकर उनकी संख्या का अनुमान लगाया जाता था। इसमें एक ही बाघ के निशान कई बार गिने जाने या अलग-अलग बाघों के निशान में भ्रम की संभावना रहती थी। कैमरा ट्रैप- इस आधुनिक पद्धति में जंगल में विशेष कैमरे लगाए जाते हैं, जो बाघ की तस्वीर अपने आप खींच लेते हैं। हर बाघ के शरीर पर बनी धारियां अलग होती हैं, इसलिए फोटो के आधार पर उसकी सही पहचान और गिनती करना अधिक सटीक माना जाता है।

मप्र पुलिस में बड़ा बदलाव तय! बढ़ेंगे 30 नए आईपीएस पद, पीएचक्यू ने केन्द्र को भेजा प्रस्ताव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश पुलिस में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों की संख्या बढ़ाने की तैयारी तेज हो गई है। पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश में 30 नए आईपीएस पद सृजित करने का प्रस्ताव राज्य शासन को भेज दिया है। शासन की मंजूरी के बाद यह प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा जाएगा। यदि केंद्र से हरी झंडी मिलती है तो प्रदेश पुलिस के प्रशासनिक ढांचे को बड़ी मजबूती मिलेगी और वर्षों से प्रमोशन का इंतजार कर रहे अधिकारियों के लिए नई उम्मीद जगेगी।

फिलहाल मध्य प्रदेश में आईपीएस अधिकारियों के कुल 319 स्वीकृत पद हैं। नियमों के अनुसार हर पांच वर्ष में

आईपीएस कैडर रिव्यू किया जाता है, जिसके आधार पर नए पद सृजित किए जाते हैं। हालांकि तय समय पर यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। वर्ष 2003 के बाद अब तक पांच कैडर रिव्यू होने चाहिए थे, लेकिन केवल चार बार ही समीक्षा हो सकी है। इस बार के प्रस्ताव में करीब 30 नए पद बढ़ाने की तैयारी की गई है, जिससे पुलिस प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को मिलेगा बड़ा फायदा

कैडर रिव्यू का सबसे बड़ा लाभ राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को मिलेगा। नियमों के मुताबिक नए सृजित होने वाले आईपीएस पदों में लगभग 33 प्रतिशत पद राज्य पुलिस सेवा से पदोन्नति के लिए आरक्षित रहते हैं। वर्तमान में पर्याप्त पद नहीं होने के कारण कई अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) के पद से ही सेवानिवृत्त हो जाते हैं और उन्हें आईपीएस बनने का अवसर नहीं मिल पाता। नए पद सृजित होने से यह स्थिति काफी हद तक बदल सकती है।

मध्यप्रदेश में उच्च शिक्षा का नया रिकॉर्ड, पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था का असर

ई-प्रवेश से 5.24 लाख विद्यार्थियों ने लिया दाखिला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए उच्च शिक्षा विभाग की ई-प्रवेश प्रणाली के माध्यम से अब तक 5 लाख 24 हजार 48 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। विद्यार्थी-केंद्रित, पारदर्शी और तकनीक आधारित इस व्यवस्था ने प्रवेश प्रक्रिया को आसान और भरोसेमंद बनाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार के नेतृत्व में संचालित ई-प्रवेश प्रणाली को प्रदेश में बड़ी सफलता मिली है। 31 जुलाई 2026 तक प्रदेश के 2 हजार 1 महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी की गई। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार इस वर्ष 1 हजार 256 सामान्य महाविद्यालयों और 745 एनसीटीई महाविद्यालयों में कुल 7 लाख 51 हजार 123 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया। इनमें से 6 लाख 60 हजार 981 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया और 5 लाख 24 हजार 48 विद्यार्थियों को प्रवेश मिला। विभाग का कहना है कि ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन की आसान प्रक्रिया, महाविद्यालयों में हेल्प डेस्क और लगातार निगरानी के चलते प्रवेश प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनी है।

चार वर्षों में लगातार बढ़ा प्रवेश का आंकड़ा

ई-प्रवेश के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2023-24 में इसी अवधि तक 3 लाख 21 हजार 154 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था। यह संख्या वर्ष 2024-25 में बढ़कर 3 लाख 90 हजार 411 और वर्ष 2025-26 में 4 लाख 58 हजार 208 तक पहुंच गई। वर्तमान सत्र में यह आंकड़ा 5 लाख 24 हजार 48 तक पहुंच गया है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 65 हजार 840 अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जो करीब 14.4 प्रतिशत की वृद्धि है। स्नातक स्तर पर इस वर्ष 4 लाख 58 हजार 792 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया। इनमें 4 लाख 13 हजार 963 विद्यार्थियों के दस्तावेज सत्यापित हुए और 3 लाख 60 हजार 902 विद्यार्थियों को प्रवेश मिला।

पेंशन-भविष्यनिधि कार्यालयों में 1 अगस्त से सेवाएं बंद

वित्त विभाग ने 24 जिलों के आउटसोर्स कर्मचारी हटाए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य सरकार ने आउटसोर्स कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। वित्त विभाग के पेंशन, भविष्यनिधि एवं बीमा संचालनालय ने प्रदेश के 24 जिलों में पदस्थ आउटसोर्स डेटा एंट्री ऑपरेटरों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। आदेश के अनुसार इन कर्मचारियों की सेवाएं 31 जुलाई तक ही मान्य रहेंगी और 1 अगस्त से वे विभाग में कार्य नहीं कर सकेंगे। जारी आदेश में पेंशन, भविष्यनिधि एवं बीमा संचालनालय के संयुक्त संचालक ने उद्यमिता विकास केंद्र (सेडमैप) को निर्देश दिए हैं कि 24 डेटा एंट्री ऑपरेटर (संविदा सहायक ग्रेड-3) की सेवाएं 31 जुलाई

से वापस ली जा रही हैं। साथ ही जुलाई माह का वेतन बिल शीघ्र तैयार कर भुगतान सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिन जिलों में आउटसोर्स डेटा एंट्री ऑपरेटरों की सेवाएं समाप्त की गई हैं, उनमें शिवपुरी, पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, नीमच, मंदसौर, शाजापुर, सिंगरौली, अनूपपुर, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, बैतूल, हरदा, खरगौन, बड़वानी, बुरहानपुर, दतिया, अशोकनगर, श्योपुर, सतना और शहडोल सहित कुल 24 जिले शामिल हैं।

मेट्रो एंकर | पथ विक्रेताओं को मिलेगा बड़ा सहारा, 15 अगस्त तक चलेगा विशेष स्वनिधि अभियान

लोन, डिजिटल सुविधा और आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के शहरी पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उन्हें सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के उद्देश्य से नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 1 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक विशेष स्वनिधि पखवाड़ा शुरू किया है। इस अभियान के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों और नगरीय निकायों में पात्र पथ विक्रेताओं तक ऋण, डिजिटल भुगतान और अन्य वित्तीय सुविधाएं पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जाएंगे।

अभियान का उद्देश्य अब तक योजना से वंचित रहे पात्र पथ विक्रेताओं को जोड़ना और लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करना है। इसके तहत नए आवेदन लिए जाएंगे, पहले अस्वीकृत मामलों की दोबारा जांच होगी और विशेष बैठकों के माध्यम से बैंकों व नगरीय निकायों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। साथ ही पात्र हितग्राहियों को शीघ्र ऋण उपलब्ध कराने और भुगतान संबंधी सुविधाओं से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पखवाड़े के दौरान शिविर, जनसंपर्क अभियान, जागरूकता कार्यक्रम और प्रचार-प्रसार के जरिए अधिक से अधिक पथ विक्रेताओं तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाएगी। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए लाभार्थियों को डिजिटल माध्यम से लेनदेन अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही डिजिटल भुगतान से जुड़े विशेष सुविधा कार्ड भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे छोटे व्यापारियों को आसानी से वित्तीय सहायता मिल सके।

प्रदेश ने बनाया राष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। अब तक 10.30 लाख से अधिक पथ विक्रेता योजना का लाभ उठा चुके हैं। उनके लिए 16.35 लाख से अधिक ऋण प्रकरणों के माध्यम से 2,802 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है। इनमें बड़ी संख्या में महिला पथ विक्रेताओं को भी लाभ मिला है, जिससे उनके आर्थिक सशक्तिकरण को बल मिला है। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन और सारणी जैसे नगरीय निकायों ने भी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विभाग ने सभी नगरीय निकायों, बैंकिंग संस्थाओं और संबंधित विभागों से इस अभियान को जनभागीदारी का रूप देकर प्रत्येक पात्र पथ विक्रेता तक योजना का लाभ पहुंचाने की अपील की है। सरकार का मानना है कि यह अभियान आत्मनिर्भर शहरी मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 02 अगस्त 2026

ट्रेवलिंग

अकेले सफर का दौर... सोलो ट्रिप अब नई लाइफ स्टाइल

सोलो ट्रिप रोमांचक होने के साथ जिम्मेदारी भी मांगती है। यात्रा से पहले गंतव्य की जानकारी, सुरक्षित होटल, परिवार को लोकेशन साझा करना, आवश्यक दवाइयां और डिजिटल भुगतान के विकल्प तैयार रखना बेहद जरूरी है। विशेष रूप से महिला यात्रियों के लिए सुरक्षा संबंधी सावधानियां और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

कभी यात्रा का मतलब परिवार, दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ घूमना माना जाता था। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। आज का युवा ही नहीं, बल्कि नौकरीपेशा, गृहिणियां और सेवानिवृत्त लोग भी अकेले यात्रा यानी सोलो ट्रिप को अपनाने लगे हैं। यह केवल पर्यटन नहीं, बल्कि स्वयं को जानने, मानसिक तनाव कम करने और आत्मविश्वास बढ़ाने का माध्यम बनता जा रहा है।

सोशल मीडिया, डिजिटल पेमेंट, ऑनलाइन होटल बुकिंग और आसान यात्रा सुविधाओं ने सोलो ट्रिप को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर हजारों भारतीय ट्रैवल क्रिएटर अपने अकेले सफर के अनुभव साझा कर रहे हैं, जिससे लोगों का डर भी कम हुआ है। विशेषज्ञ मानते हैं कि कोविड के बाद लोगों की सोच में बड़ा बदलाव आया है। अब लोग 'कभी घूम लेंगे' की बजाय 'अभी जी लेते हैं' की सोच के साथ यात्रा पर निकल रहे हैं। अकेले सफर में किसी के समय, पसंद या योजना पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। यही इसकी सबसे बड़ी खूबी है। सोलो ट्रिप केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं है। आज लोग आध्यात्मिक यात्राएं, समुद्र तट, जंगल सफारी, सांस्कृतिक शहर, हेरिटेज वॉक और गांवों की यात्राएं भी अकेले कर रहे हैं। वाराणसी, ऋषिकेश, स्पीति, लद्दाख, हम्पी, पुदुचेरी, जैसलमेर और मेघालय जैसे स्थान भारतीय सोलो ट्रैवलर्स की पसंद बन चुके हैं। अकेले यात्रा करने वाले बताते हैं कि इस दौरान वे नए लोगों से मिलते हैं, स्थानीय संस्कृति को करीब से समझते हैं और अपने निर्णय स्वयं लेना सीखते हैं। कई लोगों के लिए यह आत्मविश्वास बढ़ाने की एक तरह की 'लाइफ थेरेपी' बन चुकी है।

हालांकि सोलो ट्रिप रोमांचक होने के साथ जिम्मेदारी भी मांगती है। यात्रा से पहले गंतव्य की जानकारी, सुरक्षित होटल, परिवार को लोकेशन साझा करना, आवश्यक दवाइयां और डिजिटल भुगतान के विकल्प तैयार रखना बेहद जरूरी है। विशेष रूप से महिला यात्रियों के लिए सुरक्षा संबंधी सावधानियां और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

पर्यटन उद्योग भी इस बदलाव को समझ रहा है। कई ट्रैवल कंपनियां अब विशेष सोलो ट्रैवल पैकेज, महिला-विशेष समूह यात्राएं और स्थानीय गाइड सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। होटल और होस्टल भी अकेले यात्रियों के लिए साझा गतिविधियां आयोजित कर रहे हैं, जिससे नए लोगों से मिलना आसान हो जाता है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सीमित समय के लिए किया गया सोलो ट्रैवल तनाव कम करने, आत्मनिर्भरता बढ़ाने और निर्णय क्षमता विकसित करने में मददगार हो सकता है। हालांकि यह हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य नहीं है। जिन्हें अकेलेपन से परेशानी होती है, वे छोटे सोलो ट्रिप से शुरुआत कर सकते हैं।

सोलो ट्रिप का बढ़ता चलन बताता है कि यात्रा अब केवल पर्यटन नहीं रही, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास, मानसिक संतुलन और जीवन को नए नजरिए से देखने का माध्यम बन रही है। शायद यही वजह है कि आज की पीढ़ी मंजिल से ज्यादा सफर को महत्व दे रही है।

सोलो ट्रिप पर ध्यान देने वाली बातें

- यात्रा की पूरी योजना पहले से बनाएं।
- होटल और परिवहन की एडवांस बुकिंग करें।
- परिवार या मित्र को यात्रा कार्यक्रम बताकर रखें।
- पहचान पत्र और जरूरी दस्तावेजों की डिजिटल कॉपी रखें।
- रात में सुनसान स्थानों से बचें।
- नकद और डिजिटल भुगतान दोनों की व्यवस्था रखें।
- मेडिकल किट और जरूरी दवाइयां साथ रखें।
- स्थानीय आपातकालीन नंबर मोबाइल में सेव रखें।

भारत के लोकप्रिय सोलो ट्रैवल डेस्टिनेशन

ऋषिकेश (उत्तराखंड)

स्पीति वैली (हिमाचल प्रदेश)

लद्दाख

वाराणसी (उत्तर प्रदेश)

हम्पी (कर्नाटक)

पुदुचेरी

जैसलमेर (राजस्थान)

मेघालय

क्या कहते हैं ट्रैवल ब्लॉगर

प्रसिद्ध ट्रैवल ब्लॉगर वरुण वाघीश का कहना है

'यात्रा केवल नई जगहें देखने का नाम नहीं है, बल्कि यह खुद को नए नजरिए से जानने का अवसर भी है। अकेले यात्रा करने पर आप अपनी क्षमताओं, निर्णयों और सीमाओं को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं।'

यात्रा विशेषज्ञों का मानना है कि सोलो ट्रैवल का उद्देश्य अकेलापन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और नए अनुभवों के साथ जीवन को समृद्ध बनाना है। यही कारण है कि आने वाले वर्षों में भारत में भी सोलो ट्रिप का चलन और तेजी से बढ़ने की संभावना है।

जीवन ज्योति

मनुष्य का जन्म केवल भोग नहीं, योग के लिए

अवधेशानंद गिरी
आध्यात्मिक गुरु

मनुष्य का जन्म केवल भोग के लिए नहीं, बल्कि योग के लिए हुआ है। जीवन हमें ईश्वर का दिया हुआ एक अनुपम अवसर है। यह अवसर स्वयं को पहचानने, अपने भीतर छिपे दिव्य प्रकाश को प्रकट करने और समस्त मानवता के कल्याण में योगदान देने के लिए मिला है।

मैं मानता हूँ कि जीवन का सबसे बड़ा धर्म मानवता है। यदि हमारे व्यवहार में करुणा नहीं, वाणी में मधुरता नहीं और हृदय में प्रेम नहीं, तो हमारी पूजा-पाठ और साधना अधूरी है। ईश्वर मंदिरों में अवश्य हैं, लेकिन उससे पहले वे प्रत्येक प्राणी के हृदय में विराजमान हैं। इसलिए मनुष्य की सेवा ही मेरे लिए ईश्वर की सच्ची उपासना है।

सफलता और असफलता जीवन के दो पड़ाव हैं, मंजिल नहीं। परिस्थितियाँ कभी भी स्थायी नहीं रहतीं। जो व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखता है, वही अंततः विजयी होता है। इसलिए अपने मन को इतना मजबूत बनाइए कि परिस्थितियाँ आपको नियंत्रित न करें, बल्कि आप अपने विवेक से परिस्थितियों को दिशा दें।

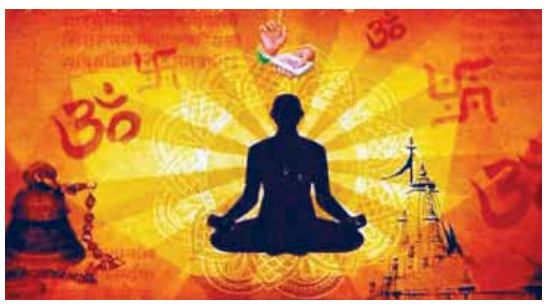

जीवन का एक महत्वपूर्ण संदेश है कि आत्मअनुशासन के बिना कोई भी व्यक्ति महान नहीं बन सकता। अनुशासन केवल समय का पालन करना नहीं है, बल्कि अपने विचारों, इच्छाओं और भावनाओं पर नियंत्रण रखना भी है। जिसने स्वयं को जीत लिया, उसने संसार को जीत लिया। मैं युवाओं से विशेष रूप से कहना चाहता हूँ कि आधुनिकता को अपनाइए, लेकिन अपनी संस्कृति और संस्कारों को कभी मत छोड़िए। विज्ञान हमें सुविधा देता है, जबकि अध्यात्म हमें सही दिशा देता है। जब विज्ञान और अध्यात्म साथ चलते हैं, तभी जीवन संतुलित और सार्थक बनता है। मैं यह भी मानता हूँ कि सकारात्मक सोच केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। जिस व्यक्ति के भीतर आशा का दीपक जलता रहता है, उसके जीवन का अंधकार कभी स्थायी नहीं हो सकता। इसलिए हर दिन को नई ऊर्जा, नए उत्साह और नई संभावनाओं के साथ स्वीकार कीजिए। मेरा विश्वास है कि अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। विनम्रता वह शक्ति है, जो साधारण व्यक्ति को भी असाधारण बना देती है। जितना ऊँचा वृक्ष होता है, वह उतना ही झुकता है। उसी प्रकार महान व्यक्ति अपने ज्ञान और उपलब्धियों के बावजूद विनम्र बना रहता है।

अंत में मैं केवल इतना कहना चाहता हूँ कि अपने जीवन को ऐसा बनाइए कि आपके जाने के बाद लोग आपकी संपत्ति नहीं, बल्कि आपके सद्कर्मों को याद करें। प्रेम बाँटिए, सेवा कीजिए, सत्य का पालन कीजिए और अपने भीतर स्थित परमात्मा का अनुभव करने का प्रयास कीजिए। यही मेरा जीवन-दर्शन है, यही मेरी साधना है और यही मेरे जीवन का संदेश है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 02 से 08 अगस्त तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि के जातक इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत हैं मेष राशि के जातक व्यापार व्यवसाय एवं अपने कार्य क्षेत्र में उपस्थित बढ़ाओ को दूर करने में सक्षम रहेंगे, साथी आपके घर परिवार में आगामी दिनों में होने वाली मांगलिक कार्य की तैयारी पूर्णता की ओर होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह अत्यंत परिश्रम भरा रहने के संकेत हैं आशा के विपरीत आपके अधिनस्थ और उच्च पद प्रतिष्ठा वाले लोगों से परिणाम न मिलने से मन में व्यग्रता का भाव रह सकता है, लेकिन सप्ताह के अंत में कुछ कार्य संपन्न होने के संकेत मिल रहे हैं,अतः निराश ना हो।

मिथुन: राशि के जातक इस सप्ताह में धनागम व्यापार व्यवसाय विशेष रूप से साहित्य जगत में कार्य करने वाले जातक लेखन पत्रकारिता आदि के क्षेत्र में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, आप अपने बौद्धिक स्तर से मान सम्मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सक्षम रहेंगे, आई के साधन बढ़ेंगे, तथा बच्चों के कार्य समय पर होने से मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।

कर्क: राशि के जातक इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, विशेष रूप से मांगलिक कार्य धार्मिक यात्रा तीर्थ स्थलों का दर्शन एवं प्राकृतिक स्थान का भ्रमण जैसे कार्य में समय व्यतीत होगा, और घर परिवार के साथ भ्रमण का आनंद और यात्रा का अवसर आपके मन को प्रफुल्लित करेगा, संतति के कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में व्यवहार की अधिकता रहने के संकेत मिल रहे हैं, आगामी दिनों में बच्चों की शिक्षा दीक्षा साथी घर की परिवार की अन्य व्यवस्थाओं में आपकी व्यस्तता रहने की संकेत है, और आय से अधिक व्यय का भार आ सकता है, अतः अपने आर्थिक कार्यों में विशेष सावधानी रखना नितांत आवश्यक है, मानसिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह अत्यंत अनुकूल होने के संकेत मिल रहे हैं, घर परिवार के लोगों के द्वारा साथी मित्रों के द्वारा आपको उत्तम सहयोग प्राप्त होगा, जिससे कई दिनों से लंबित कार्य संपन्न हो सकता है, संतति के कार्यों में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल होने के संकेत हैं, व्यापार व्यवसाय कृषि एवं अन्य कार्यों में आपको उत्तम लाभ के संकेत मिल रहे हैं, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को उत्तम पद प्रतिष्ठा एवं मान सम्मान प्राप्त होगा।

वृश्चिक: राशि के जातकों को आर्थिक प्रभार बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं आए और व्यय में संतुलन बनाकर रखने की आवश्यकता है, आय से अधिक व्यय करने से बच्चे साथी अनावश्यक व्यय करना आपको कठिनाई में डाल सकता है पता लेनदेन में विशेष सावधानी रखें।

धनु: राशि के जातक इस समय कुछ कठिनाई के दौर से गुजर रहे हैं आपको घर परिवार के किसी बुजुर्ग के कारण मानसिक चिंतन बना हुआ है, उनके स्वास्थ्य की अथवा अन्य किसी प्रकार की चिंता कठिनाई में डाले हुए हैं, आप अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें शरीर में पीड़ा मन में चिंता रहने से आपको कठिनाई महसूस हो रही है,ऐसे समय में हनुमान जी की आराधना, उपासना, शनि का दान करना उत्तम फल देने वाला रहेगा।

मकर: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, जिस लक्ष्य को लेकर आप निरंतर परिश्रम कर रहे हैं ,उसे लक्ष्य की पूर्ति का संकेत मिल रहा है, और आप निरंतर अपने कार्यों में निष्ठा के साथ लग रहे भविष्य में आपको उत्तम सफलता प्राप्त होगी, व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को आगामी दिनों में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे।

कुंभ: राशि के जातक निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होने के संकेत मिल रहे हैं, आपके द्वारा किए गए प्रयासों से सामाजिक आर्थिक एवं अन्य मोचन पर घर परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ेगी, व्यापार व्यवसाय में प्रगति होने से साथी घर परिवार के कार्यों को करने में सफलता मिलने से परिवार में आनंद का वातावरण बना रहेगा।

मीन: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में कुछ उतार चढ़ाव एवं मानसिक चिंतन का समय रहेगा, ऐसे अवसर पर वरिष्ठ जनों एवं गुरुजनों से मिलकर सलाह लेकर अपने कार्यों का संपादन करें, नवीन व्यापार व्यवसाय अथवा किसी भवन भूमि या वस्तु के क्रय विक्रय में सोच समझकर कार्य करें अन्यथा आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है स्वास्थ्य के प्रति सजगता रखें, उधर विकार से आपको कठिनाई हो सकती है।

दिया कबीरा रोय

अंकित पांडे
व्यंग्यकार

सेवा का सेल्फी पैकेज...

रविवार की सुबह पार्क में बड़ी हलचल थी। शहर की एक प्रतिष्ठित संस्था ने 'समाजसेवा महाअभियान' रखा था। सभी स्वयंसेवक एक जैसी टी-शर्ट पहनकर पहुंचे थे। टी-शर्ट के पीछे संस्था का नाम और आगे अपना नाम, ताकि सेवा करते समय पहचान में कोई कमी न रह जाए।

कार्यक्रम सुबह आठ बजे शुरू होना था। लेकिन साढ़े नौ बज गए, क्योंकि फोटोग्राफर अभी तक नहीं आया था। आयोजक परेशान थे।

'यार, फोटोग्राफर के बिना सेवा कैसे शुरू करें?'

एक स्वयंसेवक बोला, 'सर, सफाई तो कर लेते हैं।'

आयोजक ने उसे ऐसे देखा जैसे उसने कोई असंवैधानिक बात कह दी हो।

'अरे भाई! पहले फोटो होगी, तभी तो लोगों को पता चलेगा कि सफाई की है।'

थोड़ी देर बाद फोटोग्राफर आया। सबने झाड़ू उठाई। पांच मिनट तक अलग-अलग एंगल से तस्वीरें खिंचीं। किसी ने झाड़ू जमीन पर रखी, किसी ने हवा में। किसी ने कचरे को देखकर दुखी चेहरा बनाया, तो किसी ने मुस्कुराकर मानवता बचा ली।

फोटो खत्म होते ही आधे लोग गायब हो गए। झाड़ू वहीं पड़ी रही और कचरा भी वहीं मुस्कुराता रहा।

शाम तक सोशल मीडिया पर पोस्ट की बाढ़ आ गई।

'आज समाज के लिए कुछ करने का सौभाग्य मिला।'

'छोटी-सी कोशिश, बड़ा बदलाव।' 'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।'

पोस्ट देखकर ऐसा लग रहा था कि शहर अब सिंगापुर बनने ही वाला है।

उधर पार्क का चौकीदार हंस रहा था। उसने कहा, 'साहब, ये लोग हर महीने आते हैं। फोटो लेकर चले जाते हैं। सफाई तो अगले दिन नगर निगम वाले करते हैं।'

अब समाजसेवा का नया गणित है। अगर किसी गरीब को खाना खिलाना है, तो पहले मोबाइल तैयार कीजिए। प्लेट बाद में दीजिए। अगर पौधा लगाना है, तो गड्ढा छोटा चलेगा, लेकिन कैमरे का फ्रेम बड़ा होना चाहिए।

एक मित्र ने बताया कि उसने पिछले महीने सौ पौधे लगाए थे। मैंने पूछा, 'अब कितने बचे?'

बोला, 'पता नहीं। मैं तो फोटो डालने के बाद गया ही नहीं।'

आजकल पेड़ नहीं, पोस्ट उगाए जाते हैं।

कुछ लोग रक्तदान भी ऐसे करते हैं कि खून की बोतल से ज्यादा तस्वीरें सोशल मीडिया पर दिखाई देती हैं। अस्पताल से ज्यादा समय कैप्शन लिखने में लगता है– 'मानवता के लिए समर्पित एक छोटा-सा प्रयास।'

उधर अस्पताल का कंपाउंडर धीरे से कहता है, 'भाई साहब, अगली बार समय पर भी आ जाइए। पिछली बार तो फोटो खिंचवाकर चले गए थे।'

दरअसल, समाजसेवा अब दो हिस्सों में बंट गई है। एक सेवा, दूसरी उसकी मार्केटिंग। कई बार मार्केटिंग इतनी बड़ी हो जाती है कि सेवा छोटी पड़ जाती है।

सच्ची सेवा कभी शोर नहीं करती। वह किसी की फीस भर देती है, किसी की दवा खरीद देती है, किसी की किताबें पहुंचा देती है। उसे लाइक, शेयर और कमेंट की जरूरत नहीं होती।

लेकिन यह सेल्फी युग है। यहां नेक काम की सफलता इस बात से नहीं मापी जाती कि कितने लोगों का भला हुआ, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि रील कितने लाख व्यूज पार कर गई।

लगता है अब समाजसेवा का नया नारा बन गया है– 'पहले कैमरा ऑन कीजिए, फिर करुणा ऑन कीजिए।'

डेस्टिनेशन

दुनिया का इकलौता एयरपोर्ट, जहां है वाटर फॉल और तितलियों का पार्क

दुनिया में ऐसे कई एयरपोर्ट हैं, जो अपनी आधुनिक सुविधाओं, शानदार डिजाइन और बेहतरीन सेवाओं के लिए मशहूर हैं। कहीं आलीशान लाउंज हैं, तो कहीं यात्रियों के लिए लग्जरी शॉपिंग और मनोरंजन की सुविधाएं मौजूद हैं। लेकिन सिंगापुर का चांगी एयरपोर्ट इन सबसे बिल्कुल अलग है। यह सिर्फ एक एयरपोर्ट नहीं, बल्कि अपने आप में एक बड़ा पर्यटन स्थल बन चुका है। यहां लोग सिर्फ फ्लाइट पकड़ने नहीं आते, बल्कि घूमने, समय बिताने, फोटो खिंचवाने, खरीदारी करने और यहां तक कि शादी और दूसरे खास समारोह आयोजित करने भी पहुंचते हैं। इसकी खूबसूरती और अनोखी सुविधाएं इसे दुनिया के सबसे सुंदर एयरपोर्ट्स में शामिल करती हैं। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर भी चांगी एयरपोर्ट की तस्वीरें और वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं।

चांगी एयरपोर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके अंदर कदम रखते ही ऐसा महसूस होता है, जैसे आप किसी घने जंगल में आ गए हों। यहां हजारों पेड़-पौधे और रंग-बिरंगे फूल लगाए गए हैं, जो पूरे माहौल को प्राकृतिक बना देते हैं। हरियाली से भरे इस एयरपोर्ट में चलते हुए यात्रियों को शहर की भीड़भाड़ का एहसास ही नहीं होता। यही कारण है कि कई लोग अपनी कनेक्टिंग फ्लाइट के दौरान भी यहां समय बिताना पसंद करते हैं। यहां बटरफ्लाई पार्क भी है जहां हजारों तितलियां रहती है और लोग वहां जाकर उन्हें देख सकते हैं।

चांगी एयरपोर्ट का सबसे मशहूर आकर्षण 'रेन वोर्टेक्स' (Rain Vortex) है। लगभग 130 फीट ऊंचा यह इनडोर झरना दुनिया का सबसे बड़ा इनडोर वॉटरफॉल माना जाता है। कांच से बने विशाल गुंबद के बीचों-बीच गिरता यह झरना दिन में जितना खूबसूरत दिखता है, रात में रंग-बिरंगी रोशनी और म्यूजिक शो के साथ उसका नजारा और भी ज्यादा शानदार हो जाता है। यही जगह सबसे ज्यादा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

चांगी एयरपोर्ट सिर्फ यात्रा करने की जगह नहीं है, बल्कि यहां मनोरंजन के भी कई विकल्प मौजूद हैं। एयरपोर्ट की छत पर बना स्विमिंग पूलयात्रियों को आराम करने का मौका देता है। इसके अलावा यहां चार मंजिला गार्डन बनाया गया है, जहां कई तरह के पौधे लगाए गए हैं। यहीं नहीं, एयरपोर्ट में फिल्म थिएटर, बच्चों के खेलने की जगह, शॉपिंग मॉल, रेस्टोरेंट और कैफे जैसी कई सुविधाएं भी हैं. कैनोपी पार्क, ग्लास बॉटम ब्रिज, मिरर मेज और आकर्षक स्कल्पचर भी यहां आने वाले लोगों को रोमांचक अनुभव देते हैं।

न्यूज विंडो

गुरु के बिना ज्ञान अधूरा और जीवन दिशाहीन रहता है : डॉ. वेदांती

गंजबासौदा। वेदांत आश्रम में आयोजित तीन दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हो गया। समापन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया, विशाल भंडारे में प्रसादी ग्रहण की तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जगद्गुरु डॉ. रामकमलाचार्य वेदांती जी महाराज से गुरु दीक्षा लेकर आध्यात्मिक जीवन का संकल्प लिया। इस अवसर पर वर्ष 2027 में आयोजित होने वाली 11 दिवसीय शिव महापुराण कथा की घोषणा भी की गई, जिससे श्रद्धालुओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। समापन समारोह को संबोधित करते हुए जगद्गुरु डॉ. रामकमलाचार्य वेदांती जी महाराज ने कहा कि जीवन में यदि कोई सच्चा मार्गदर्शक है तो वह सद्गुरु हैं। गुरु के बिना ज्ञान अधूरा और जीवन दिशाहीन रहता है। गुरु ही अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं तथा मनुष्य को धर्म, संस्कार, सेवा, अनुशासन और आत्मविश्वास का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि मित्र और गुरु ऐसे संबंध हैं, जिनके द्वार पर जाने के लिए किसी निमंत्रण की आवश्यकता नहीं होती। शास्त्रों में भी स्पष्ट कहा गया है कि गुरु बिन ज्ञान नहीं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान प्रतिदिन पूजन-अर्चन, धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन, गुरु वंदना, सत्संग एवं आध्यात्मिक प्रवचनों का आयोजन हुआ। पूरे आश्रम परिसर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में पुष्प अर्पित कर परिवार, समाज और राष्ट्र के सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की।

नियम तोड़ने वाले 10 वाहन चालकों पर कार्रवाई कर वसूला जुर्माना

गंजबासौदा। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को अनुशासित बनाए रखने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने बर्री घाट रोड पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए 10 चालान बनाए गए और उनसे कुल 3 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। यातायात निरीक्षक निरपत सिंह लोधी ने बताया कि बिना हेलमेट वाहन चलाने, आवश्यक दस्तावेज साथ न रखने तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई है। साथ ही यातायात पुलिस ने कार्रवाई के साथ-साथ लोगों को जागरूक भी किया। अधिकारियों ने वाहन चालकों से कहा कि हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम है। वाहन चलाते समय सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने और नियमों का पालन करने की अपील भी की गई। यातायात पुलिस का कहना है कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, लापरवाह वाहन चालकों पर अंकुश लगाने और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इस प्रकार के विशेष चेकिंग अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

बदमाशों ने आरआई को घेरा, घायल होने पर भी फालिया से डराया; हाथ फ्रैक्चर

धार। कुक्षी थाना क्षेत्र के कुक्षी-मनावर मार्ग पर धुलसर और अंबाडा गांव के बीच बाइक सवार चार बदमाशों ने राजस्व विभाग के आरआई (राजस्व निरीक्षक) पर हमला कर लूटपाट की कोशिश की। हालांकि, आरआई की सूझबूझ और अदम्य साहस के आगे बदमाशों के हौसले पस्त हो गए। हाथ फ्रैक्चर होने और गंभीर चोटों के बावजूद आरआई ने बदमाशों का ही धारदार हथियार (फालिया) उठाकर उन्हें ललकारा, जिससे घबराकर लुटेरे छीना गया मोबाइल छोड़कर मौके से भाग निकले। जानकारी के अनुसार, मनावर राजस्व क्षेत्र में पदस्थ आरआई अंबाराम तड़वाल अपनी बाइक से अपने गृह ग्राम रेबड़दा जा रहे थे। धुलसर गांव पार करने के बाद पीछे से दो बाइकों पर आए चार बदमाशों ने उन्हें रुकने का इशारा किया। आरआई ने किसी परिचित के भ्रम में बाइक रोक दी। बाइक रुकते ही बदमाशों ने तड़वाल से हाथापाई शुरू कर दी और उनका मोबाइल छीन लिया। जब लुटेरों ने बाइक छीनने का प्रयास किया, तो आरआई ने कड़ा विरोध किया। इसी झड़प के दौरान एक बदमाश के हाथ से धारदार फालिया जमीन पर गिर गया। आरआई तड़वाल ने बिना समय गंवाए दौड़कर जमीन पर गिरा फालिया उठा लिया और निडर होकर बदमाशों का सामना किया। घायल अवस्था में भी उन्हें हथियार के साथ हमलावर होते देख बदमाश डर गए और लूटा हुआ मोबाइल वहीं छोड़कर भाग खड़े हुए। बदमाशों से मुकाबले के दौरान आरआई अंबाराम तड़वाल के दोनों हाथों में चोटें आईं और उनका एक हाथ फ्रैक्चर हो गया।

मदरसे में नाबालिग से कथित छेड़छाड़ पॉक्सो एक्ट में मौलाना को भेजा जेल

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना में टिकुरिया मोहल्ला स्थित मदरसे से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। एक नाबालिग बच्ची के परिजनों ने मदरसे के मौलाना पर बच्ची को कमरे में बंद कर उसके साथ आपराधिक कृत्य करने के प्रयास का आरोप लगाया है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। परिजनों के अनुसार शुक्रवार को बच्ची रोज की तरह मदरसे गई थी, लेकिन निर्धारित समय तक घर नहीं लौटी। काफी देर तक इंतजार करने के बाद चिंता हुई तो बच्ची की तलाश शुरू की। आरोप है कि जब परिजनों ने मदरसे के मौलाना से बच्ची के बारे में पूछा तो उसने कहा कि बच्ची अपनी एक सहेली के साथ चली गई है। परिजनों को मौलाना की बात पर शक हुआ और जब उन्होंने दबाव बनाया और मदरसे का कमरा खोला तो वहां से बच्ची बरामद हुई। इस घटना के बाद परिवार के लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची तथा परिजनों के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले में परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि मदरसे में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज उपलब्ध नहीं कराई गई। परिजनों का कहना है कि कैमरों की वायरिंग कटी हुई मिली, जिससे उन्हें साक्ष्य मिटाने की आशंका है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

जंगल में युवक-युवती के साथ हुई लूट व जघन्य अपराध को दिया था अंजाम

गहरे सदमे में इंजीनियर की मंगेतर, दुष्कर्म के 5 आरोपी गिरफ्तार, 2 की तलाश जारी

गुना। दोपहर मेट्रो

गुना में इंजीनियर की मंगेतर के साथ हुई हैवानियत की वारदात में शामिल 5 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के दो साथी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। जिन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है उनमें से एक आरोपी के खिलाफ पहले भी सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज हो चुका है। बीते गुरुवार की रात को आरोपियों ने इंजीनियर व उसकी मंगेतर को रोककर जंगल में ले जाकर लूटपाट की थी और युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास करते हुए बर्बरता की थी। पीड़ित युवती की अस्पताल में इलाज चल रहा है और वो गहरे सदमे में है और पुलिस से तक बात करने से डर रही है।

गुना एसपी हितिका वासल ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि धरनावदा थानांतर्गत घटित युवक-युवती के साथ लूट एवं दुष्कर्म के प्रयास के जघन्य और सनसनीखेज वारदात का मात्र 24 घंटे के भीतर सफल खुलासा किया गया है। घटना

में संलिप्त सात आरोपियों में से पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है एवं शेष दो फरार आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही है। एसपी ने बताया कि पुलिस की अलग-अलग टीमों ने जंगल क्षेत्र एवं संभावित ठिकानों पर व्यापक सर्च अभियान चलाया, साथ ही तकनीकी साक्ष्य, मुखबिर तंत्र एवं विभिन्न सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण कर आरोपियों की पहचान के सघन प्रयास किए। इसी दौरान संदिग्ध आरोपियों की पहचान हुई और पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से पांच आरोपियों को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों से एक आरोपी पर पहले भी साल 2020 में सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज हो चुका है।

गहरे सदमे में है पीड़िता

आरोपियों की दरिंदगी का शिकार पीड़ित युवती अभी अस्पताल में भर्ती है और उसका इलाज चल रहा है। पीड़िता गहरे सदमे में हैं और बताया गया है कि अस्पताल में वो पूरी रात रोती रही, वो किसी से भी बात नहीं कर रही है और पुरुषों को देखकर सहम उठती है। बता दें कि घटना गुरुवार रात करीब साढ़े 8 बजे एबी रोड पर गोदर की है। 26 वर्षीय पीड़िता मूल रूप से कोलकाता की रहने वाली है जो वर्तमान में झारखंड में रहकर जॉब करती है।

मंगेतर से मिलने आई थी पीड़िता

पीड़िता एनएफएल में कार्यरत अपने इंजीनियर मंगेतर से मिलने के लिए गुना आई थी। वह गुरुवार शाम 6 बजे हनुमान टेकरी के दर्शन करने बाइक से निकले थे और वहां से वापस लौट रहे थे, तभी एबी रोड पर हिलगना के रास्ते के पास उनके पीछे से एक बाइक पर आ रहे तीन बदमाशों ने यह कहते हुए उन्हें रोका कि, आपकी गाड़ी पंक्चर है। जैसे ही इंजीनियर ने बाइक रोकी तो उनकी बाइक की चाबी निकाल ली और बदमाश दोनों को खींचकर अंधेरे में जंगल में ले गए। जहां दोनों के साथ मारपीट की गई और युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास करते हुए आरोपियों ने बर्बरता की थी। युवती की चिल्लाने की आवाज सुनकर राहगीर ने पुलिस को सूचना दी थी और पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस घायल युवती व उसके इंजीनियर मंगेतर को घायल हालत में अस्पताल लेकर आई थी।

सनकी आशिक का खूनी हमला

शादी से इनकार पर युवती को चाकू से गोदा; सिर, चेहरे व पीठ पर गंभीर चोटें

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर के भेड़ाघाट थाना क्षेत्र में एक युवती और युवक के बीच शादी न करने को लेकर विवाद हुआ है। आरोपी युवक ने युवती पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। दिनदहाड़े सरेराह हुई इस वारदात के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी भागने लगा।

भागते समय उसकी बाइक फिसल गई और वह भी गिरकर घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल युवती को मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 27 वर्षीय युवती की शादी की बात गोरखपुर निवासी शुभम जांगड़े से चल रही थी। हाल ही में युवती के परिजनों ने कहा कि शुभम जांगड़े सेन समाज से नहीं है, इसलिए यह शादी नहीं हो सकती। इसके बाद युवती ने भी शादी से इंकार कर दिया।

युवती के सिर, चेहरे, हाथ, पीठ और गर्दन पर गंभीर चोटें

शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे जब युवती अपने काम पर जाने के लिए निकली और शिवालय परिसर रोड पर पहुंची, तभी शुभम जांगड़े मोटरसाइकिल से उसका पीछा करते हुए वहां पहुंचा और उसे रोक लिया। उसने युवती से पूछा कि वह शादी से इंकार क्यों कर रही है। युवती के मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी और चाकू से उस पर ताबड़तोड़ वार कर दिए।

संवाद: विद्यार्थियों की रुचि के अनुरूप करियर काउंसलिंग कराने पर दिया जोर

धार। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने शनिवार को धार स्थित कन्या शिक्षा परिसर का औचक भ्रमण कर विद्यार्थियों के माता-पिता एवं अभिभावकों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों की पढ़ाई, यूनिफॉर्म, किताबों की उपलब्धता, भोजन की गुणवत्ता, आवास, स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा अभिभावकों के सुझाव सुने। संवाद के दौरान जब अभिभावकों ने परिसर में पेयजल (पानी) की किल्लत की शिकायत रखी, तो कलेक्टर श्री मीना ने इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पेयजल समस्या का शीघ्र एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर मीना ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल

देते हुए शिक्षकों को निर्देश दिए कि हर बच्चे की क्षमता और रुचि के अनुसार करियर काउंसलिंग कराई जाए। अभिभावकों से अपील करते हुए उन्होंने कहा ÷माता-पिता अपने बच्चों से नियमित बातचीत करें। यह जानने का प्रयास करें कि वे भविष्य में क्या बनना चाहते हैं। बच्चों की पसंद और सपनों के अनुरूप दिया गया मार्गदर्शन ही उनका आत्मविश्वास बढ़ाएगा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षित और प्रेरणादायक माहौल देना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अभिभावकों से मिले अन्य सुझावों पर भी तुरंत अमल करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त पारुल जैन, जिला शिक्षा अधिकारी पुष्पेंद्र सस्तिया सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

मूंग की रीसर्कुलेशन रोकने प्रशासन सख्त, भंडारित वेयरहाउस होंगे सील

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

समर्थन मूल्य पर मूंग उपार्जन में गड़बड़ी और रीसर्कुलेशन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आदेश जारी कर उपार्जन अवधि के दौरान पूर्व में मूंग भंडारित सभी वेयरहाउसों को सील करने और जिले के सभी व्यापारियों, मिलर्स एवं स्टॉकहोल्डर्स के यहां उपलब्ध मूंग के स्टॉक का सात दिनों के भीतर शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए हैं।

जिले में भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के तहत 1 जुलाई से 20 अगस्त 2026 तक समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द की खरीदी की जा रही है। उपार्जन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखने और वास्तविक किसानों के हितों की सुरक्षा के उद्देश्य से यह कार्रवाई की जा रही है।

कलेक्टर के आदेश के अनुसार उपार्जन केंद्रों के अलावा जिन वेयरहाउसों में पहले से मूंग का भंडारण है, उन्हें खरीदी

अवधि तक सील रखा जाएगा। इस दौरान किसी भी वेयरहाउस या भंडारण केंद्र से मूंग की निकासी केवल संबंधित एसडीएम की लिखित अनुमति से ही संभव होगी। निकासी अधिकृत अधिकारी की मौजूदगी में कराई जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि निकाली गई मूंग समर्थन मूल्य खरीदी केंद्र तक न पहुंचे।

सभी एसडीएम को राजस्व, मंडी समिति और सहकारिता विभाग के अधिकारियों का संयुक्त जांच दल गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह दल मंडी क्षेत्र के सभी मूंग व्यापारियों, मिलर्स और स्टॉकहोल्डर्स के गोदामों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों में उपलब्ध मूंग के स्टॉक का भौतिक सत्यापन करेगा। जांच के दौरान स्टॉक का मिलान मंडी की आवक-जावक पंजी, गेट पास और क्रय-विक्रय बिलों से किया जाएगा।

मंडी सचिवों को प्रतिदिन मूंग की आवक और व्यापारियों के स्टॉक की रिपोर्ट संबंधित एसडीएम एवं जिला कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। जांच में बिना अभिलेख या संदिग्ध स्टॉक मिलने पर संबंधित व्यापारी के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि सात दिनों के भीतर जिले के सभी व्यापारियों, मिलर्स और स्टॉकहोल्डर्स के यहां उपलब्ध मूंग के स्टॉक का 100 प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, ताकि समर्थन मूल्य पर खरीदी पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और वास्तविक किसानों के हित में संचालित हो सके।

महामंडलेश्वर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का केस

उज्जैन दोपहर मेट्रो

निर्मोही अखाड़े के महामंडलेश्वर ज्ञान दास पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, मारपीट और धमकाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महाकाल थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। एफआईआर की भनक लगते ही आरोपी महामंडलेश्वर आश्रम छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं।

एडिशनल एसपी आलोक शर्मा के अनुसार, युवती एक सांस्कृतिक ग्रुप से जुड़ी है। आरोप है कि सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान सदावल मार्ग स्थित दादूराम आश्रम के संचालक ज्ञान दास महाराज से उसकी मुलाकात हुई। इसके बाद महाराज ने उसे फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी और व्हाट्सएप पर चैटिंग शुरू की। युवती का आरोप है कि लगभग एक वर्ष तक उसका आश्रम आना-जाना रहा। इसी दौरान महामंडलेश्वर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया। जब उन्होंने शादी से इनकार किया, तो युवती ने सबूतों के साथ एसपी कार्यालय और महाकाल थाने में शिकायत दर्ज कराई। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि युवती ने एसपी प्रदीप शर्मा को दी शिकायत में दावा किया है कि वह दो बार गर्भवती हुई। पहली बार अक्तूबर 2025 में और दूसरी बार जून 2026 में। दोनों मामलों की मेडिकल रिपोर्ट भी शिकायत के साथ संलग्न की गई है। युवती ने ऑडियो रिकॉर्डिंग और व्हाट्सएप चैटिंग जैसे साक्ष्य भी पुलिस को सौंपे हैं। साथ ही आईजी, एडीजी, कलेक्टर और एसपी से निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस मामले में महाकाल थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस पूरे मामले में महामंडलेश्वर ज्ञान दास ने पहले ही आरोपों को निराधार बताया था। उन्होंने भी थाने में एक आवेदन देकर अपना पक्ष रखा था।

मेट्रो एंकर — कलश यात्रा के साथ पंचदिवसीय शिवार्चन महोत्सव का शुभारंभ

त्र्यंबकेश्वर धाम में गंजबासौदा के 51 दंपतियों ने शुरू किया पार्थिव शिवलिंग निर्माण, श्रावण में गूंज रही शिव आराधना

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

भगवान शिव के पावन ज्योतिर्लिंग त्र्यंबकेश्वर धाम (नासिक) में श्रावण मास के शुभारंभ पर गंजबासौदा से पहुंचे 51 दंपतियों द्वारा पंचदिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं शिवार्चन महोत्सव का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। आयोजन पं. प्रेम्हानंद शास्त्री के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में शिवार्चन सेवा समिति के तत्वावधान में संपन्न हो रहा है।

समिति के पृथ्वीसिंह रघुवंशी ने बताया कि आयोजन की शुरुआत भव्य कलश यात्रा से हुई। कलश यात्रा में महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण किए, जबकि श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए शिवभक्ति में सराबोर नजर आए। पूरे वातावरण में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष गूंजते

रहे। इस धार्मिक आयोजन के मुख्य यजमान पूर्व शिक्षक देवीसिंह रघुवंशी हैं। इस अवसर पर पं. प्रेम्हानंद शास्त्री ने श्रद्धालुओं को त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग की महिमा बताते हुए कहा कि ब्रह्मगिरि पर्वत पर महर्षि गौतम एवं माता अहिल्या का आश्रम था। ऋषियों की ईर्ष्या के कारण गौतम ऋषि पर गोहत्या का दोष लगा। इस पाप से मुक्ति के लिए उन्होंने भगवान शिव की कठोर तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने मां गंगा को पृथ्वी पर प्रकट होने का वरदान दिया। मां गंगा के आग्रह पर भगवान शिव स्वयं त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के रूप में वहां विराजमान हुए और मां गंगा गोदावरी नदी के रूप में प्रवाहित हुईं। त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग की विशेषता यह है कि यहां ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों स्वरूप एक ही शिवलिंग में विराजमान माने जाते हैं। पंचदिवसीय आयोजन में प्रतिदिन पार्थिव शिवलिंग निर्माण, रुद्राभिषेक, शिव पूजन, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागी बन रहे हैं।

न्यूज विंडो

पशु चिकित्सालयों की बदहाल स्थिति डॉक्टर उपलब्ध नहीं, पशुपालक परेशान

अनूपपुर। जिले में प्रशासनिक व्यवस्थाओं की बदहाली का असर अब इंसानों के साथ-साथ बेजुबान पशुओं पर भी दिखाई देने लगा है। कोतमा विधानसभा के राजनगर-बनगवां क्षेत्र और अमरकंटक स्थित पशु चिकित्सालयों की तस्वीरें सरकारी पशु चिकित्सा व्यवस्था की जमीनी हकीकत बयां कर रही हैं। राजनगर-बनगवां के पशु चिकित्सालय का भवन जर्जर हालत में नजर आ रहा है। वहीं अमरकंटक के पशु चिकित्सालय में भी दवाइयों और अन्य सामग्री के रखरखाव की स्थिति संतोषजनक नहीं दिखाई देती। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार पशुओं के उपचार के लिए चिकित्सक की उपलब्धता नहीं रहती, जिससे पशुपालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। एक ओर सरकार पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर जिले के पशु चिकित्सालय मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझते नजर आ रहे हैं।स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि दोनों पशु चिकित्सालयों का निरीक्षण कर भवन की मरम्मत, नियमित चिकित्सक की उपलब्धता, दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था और स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की जाए। सवाल यह है कि जब पशुओं के इलाज की सरकारी व्यवस्था ही बदहाल है।

24 घंटे में चोरी-झपटमारी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

उमरिया। कोतवाली पुलिस ने चोरी एवं झपटमारी के मामले का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 16 जुलाई 2026 को बिजौरा निवासी राघेन्द्र सिंह की शिकायत पर अपराध दर्ज किया गया था। एसपी विजय भागवानी एवं एएसपी आलोक शर्मा के निर्देशन में एसडीओपी पी.एस. परस्ते के नेतृत्व में टीम ने घटनास्थल के आसपास साक्ष्य जुटाए और तकनीकी जांच व मुखबिर की सूचना के आधार पर ललन सिंह गौंड (30) निवासी बड़वाही और निशा रजक (22) को पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने कोतवाली के साथ थाना इंदवार क्षेत्र में भी चोरी की घटनाएं करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर सोने-चांदी के कुछ आभूषण, एक मोटरसाइकिल और मोबाइल सहित करीब 1.44 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया। हालांकि चोरी गए सभी आभूषण बरामद नहीं होने की बात सामने आई है।

बुलेरो सवारों पर बाइक सवार युवकों से मारपीट का आरोप

तेंदूखेड़ा। दमोह मार्ग पर ग्राम पांजी के समीप बैलढाना चौराहा के पहले सड़क विवाद के बाद मारपीट की घटना सामने आई थी । बाइक सवार दो युवकों के साथ बुलेरो सवार लोगों द्वारा मारपीट किए जाने के आरोप के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने बुलेरो सवार लोगों को पकड़कर तेंदूखेड़ा पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मामले में शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम माड़नखेड़ा निवासी तुलसी पिता मुलु वंशल उम्र 38 वर्ष अपने बुआ के लड़के पवन वंशवर्ती के साथ मोटरसाइकिल से नरसिंहपुर स्थित दादा महाराज मंदिर पूजन के लिए गए थे। शाम के समय दोनों मोटरसाइकिल से पाटन होते हुए तेंदूखेड़ा मार्ग से अपने गांव वापस लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम पांजी के पास सामने से आ रहे ट्रक की तेज रोशनी पड़ने पर उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल रोक ली। आरोप है कि इसी दौरान पीछे से आ रही बुलेरो कार चालक ने वाहन रोक दिया। बुलेरो में सवार लोगों ने बाइक सवार युवकों पर गाय को टक्कर मारने का आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया। शिकायत के अनुसार, बुलेरो चालक अजय रजक ने वाहन से लोहे का पाइप निकालकर मारपीट शुरू कर दी, वहीं उसके साथ मौजूद तीन अन्य लोगों ने भी गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों से मारपीट की। पीड़ितों का आरोप है कि घटना के दौरान आरोपियों ने धमकी दी कि यदि थाने में शिकायत की तो जान से खत्म कर देंगे। मारपीट की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कराया। इसके बाद ग्रामीणों ने बुलेरो सवार लोगों को रोक लिया और पुलिस को सूचना दी।

मवेशी के टकराने से बाइक सवार घायल, जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। शनिवार की शाम करीब साढ़े 7 बजे थाना क्षेत्र के अंतर्गत दमोह मार्ग पर स्थित गुरैया नदी के पुल के पास एक बाइक सवार युवक घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़ा था। घटना की सूचना राहगीरों द्वारा 108 एवं डायल 112 को दी गई सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे वाहन की मदद से घायल को स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से युवक को गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार घायल युवक की पहचान हेमराज पिता रामकुमार चक्रवर्ती उम्र 36 वर्ष जो जबेरा थाना क्षेत्र के गांव का निवासी है जो अपनी सुसराल पिडंरई ग्राम आया था जहां से वह अपनी बाइक की सर्विसिंग कराने के लिए तेंदूखेड़ा आ गया था जहां से वापस पिंडरई गांव जाते समय गुरैया नदी के पुल के पास बाइक सवार युवक मवेशियों से टकरा गया हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। बता दें जिस स्थान पर यह हादसा हुआ है वहां पर बड़ी संख्या में मवेशियों के झुंड बैठे हुए दिखाई देते हैं।

धार में खाद्य विभाग की टीम ने डेरी व मिठाई दुकानों पर की छापामार कार्रवाई

307 लीटर संदिग्ध घी और 88 किलो हानिकारक फैट जब्त किया, लिए सैंपल

धार। दोपहर मेट्रो

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने ग्राम गुजरी स्थित महेश्वरी ट्रेडर्स पर छापेमारी कर संदिग्ध घी और फैट सील किया है। निरीक्षण के दौरान थोक बिक्री के लिए रखा श्री मूलब्रांड का 307 लीटर संदिग्ध घी जिसकी अनुमानित कीमत डेढ लाख से अधिक है और बिना एक्सपायरी तिथि वाला प्रभूजी ब्रांड का 88 किलोग्राम इंटरएस्टरीफाइड फैट जब्त किया गया। टीम ने विभिन्न पैकिंग्स से नमूने लेकर शेष सामग्री को विक्रेता की सुपुर्दगी में रखकर आगामी आदेश तक सील कर दिया है।

अभियान के तहत टीम ने जिले के अन्य प्रतिष्ठानों से भी सैंपल एकत्र किए है जिसमें ग्राम लेबड़ के जय महाकाल डेयरी से मिश्रित दूध एवं सांवरिया डेयरी से दूध व घी के नमूने। घाटाबिल्लौद से श्रीहरि डेयरी से पनीर, महाकाल डेयरी से घी व दही तथा बालाजी इंटरप्राइजेस से अरिहंत ब्रांड घी के नमूने शामिल है, धार शहर के बम-बम स्वीट्स से मलाई बर्फी, शक्कर बूरा और कोकोनट पाउडर के सैंपल भी टीम द्वारा लिए गए है। नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेस्टोरेंट और डेयरी संचालकों को हिदायत

कार्रवाई से पूर्व 30 जुलाई को चलित खाद्य प्रयोगशाला द्वारा शासकीय माता शबरी आवासीय कन्या परिसर, शासकीय आदर्श स्कूल मांडव रोड और हाईस्कूल धरावरा में जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। विद्यार्थियों को रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों में मिलावट पहचानने के आसान तरीके और FSSAI लोगो, एक्सपायरी डेट व बैच नंबर जांचने की जानकारी दी गई। रेस्टोरेंट और डेयरी संचालकों को बारिश के मौसम में विशेष स्वच्छता रखने, तेल को 3 बार से ज्यादा इस्तेमाल न करने, फलों को पकाने के लिए कार्बाइड का प्रयोग न करने और कृत्रिम रंगों से बचने की सख्त हिदायत दी गई।

प्रेम प्रसंग से जुड़े मामले में युवक की मौत को लेकर परिजनों का प्रदर्शन, कहा- निष्पक्ष की जाए कार्रवाई

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

प्रेम प्रसंग से जुड़े एक मामले में युवक की मौत के बाद बीते दिन उस समय तनाव की स्थिति निर्मित हो गई, जब मृतक के परिजन शव लेकर तेंदूखेड़ा थाने पहुंच गए और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। करीब एक घंटे तक थाने परिसर में स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। पुलिस अधिकारियों की समझाइश और उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए और शव को लेकर अपने गृह ग्राम रवाना हो गए। जानकारी के अनुसार, पूरा मामला रीछई थाना महाराजपुर एवं ग्राम ढाना थाना तेंदूखेड़ा क्षेत्र से जुड़ा हुआ है।

ग्राम ढाना निवासी सुनील यादव का रीछई गांव निवासी एक युवती से बातचीत एवं प्रेम संबंध होने की बात सामने आई थी। दोनों के बीच लंबे समय से संपर्क था। इसी बीच युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिसके बाद युवती के परिजनों द्वारा महाराजपुर थाने में सुनील यादव के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई गई थी। परिजनों का आरोप है कि युवती की मौत के बाद दर्ज हुए पुलिस प्रकरण से सुनील यादव मानसिक रूप से परेशान हो गया था। मृतक के परिवार वालों का कहना है कि युवती पक्ष के लोगों द्वारा उसे लगातार दबाव में रखा जा रहा था और कथित रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। इसी मानसिक तनाव के चलते सुनील ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जहर खाने के बाद सुनील की हालत बिगड़ गई, जिसके बाद परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए जबलपुर स्थित मेट्रो अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार किया गया, लेकिन इलाज के दौरान सुनील यादव की मौत हो गई। इसके बाद जबलपुर में ही शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

युवक की मौत की जानकारी मिलने के बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया। वे शव लेकर तेंदूखेड़ा थाने पहुंचे और युवती पक्ष के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करने लगे। परिजनों ने थाने के सामने शव रखकर अपनी मांग रखी। उनका कहना था कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। सूचना मिलने पर तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर मौके पर पहुंचीं और परिजनों से चर्चा की। उन्होंने उन्हें समझाइश देते हुए भरोसा दिलाया कि मामले में जांच की जाएगी और सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद परिजन शांत हुए और शव लेकर गांव के लिए रवाना हो गए। तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर ने बताया कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। चूंकि युवक का इलाज और मृत्यु जबलपुर में हुई है, इसलिए अस्पताल से मर्ग डायरी प्राप्त होने का इंतजार किया जा रहा है। मर्ग डायरी एवं जांच में प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जांच की उठी मांग

गोविंदा साइडिंग से 'ओवरलोड' कोयला भेजे जाने की आशंका

शहडोल। दोपहर मेट्रो

गोविंदा साइडिंग से रेल के माध्यम से भेजे जा रहे कोयले को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ट्रेन के वैगनों में कोयला निर्धारित बॉडी लेवल से ऊपर तक दिखाई देने की स्थिति को देखते हुए यह आशंका जताई जा रही है कि कहीं साइडिंग से रिकॉर्ड में दर्ज मात्रा से अधिक कोयला तो नहीं भेजा जा रहा है। मामले में यह भी जांच का विषय है कि यदि वास्तविक लोडिंग और दस्तावेजों में दर्ज मात्रा में अंतर है, तो अतिरिक्त कोयला किस स्तर पर और किसकी मिलीभगत से बाहर जा रहा है। संदेह के दायरे में कोल साइडिंग से जुड़े कर्मचारी, रेलवे से संबंधित जिम्मेदार कर्मचारी तथा कोयला खरीदने वाली कंपनी अथवा लोडिंग एजेंसी की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है। बताया जा रहा है कि पूर्व में भी कोयला परिवहन से जुड़े मामलों में इसी प्रकार के पैटर्न सामने आ चुके हैं, जिनमें संबंधित व्यवस्था से जुड़े कई लोग जांच के दायरे में आए थे। हालांकि उस समय कर्मचारी अलग हो सकते हैं, लेकिन यदि वर्तमान मामले में भी रिकॉर्डेड मात्रा, वास्तविक वजन, वैगन में लोड कोयले की ऊंचाई और रेलवे दस्तावेजों में अंतर पाया जाता है तो यह गंभीर वित्तीय अनियमितता का मामला हो सकता है।

स्कूल और मंदिर के सामने पान ठेले की आड़ में बिक रही अवैध शराब

जैतहरी, अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

ग्राम बलबहा पुरानी मोहल्ले में स्थित प्राथमिक विद्यालय और मां नर्मदा मढ़ीया के ठीक सामने वर्षों से संचालित एक पान ठेले पर अवैध शराब और नशीली पदार्थ बेचे जाने का गंभीर आरोप लगा है। शिवसेना उद्धव बाळासाहेब ठाकरे के नगर अध्यक्ष केशव यादव ने गुरुवार को थाना प्रभारी जैतहरी को लिखित शिकायत देकर ठेले को तत्काल बंद कराने की मांग की है।

शिकायत पत्र 2026/02 के अनुसार, हीरालाल नामक व्यक्ति द्वारा विगत कई वर्षों से पान ठेले की आड़ में सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक घर से अवैध शराब और नशीली पदार्थ बेचे जा रहे हैं। शिवसेना का आरोप है कि इस कारण कक्षा 1 से 5 तक पढ़ने वाले नन्हे बच्चों पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। विद्यालय परिसर की बाउंड्री के अंदर और छत पर बैठकर लोग शराब पीते हैं। शराब की बोतलें, डिस्पोजल और अंडे के छिलके स्कूल परिसर में ही फेंक दिए जाते हैं। पत्र में यह भी कहा गया है कि ठेले के ठीक सामने मां नर्मदा मढ़ीया विराजमान है। वहां शराब पीना और मीट-मसाला खाना धार्मिक और सामाजिक रूप से गलत है।

साथ ही ठेले में बिजली चोरी कर कनेक्शन लिया गया है और नीचे अर्थिंग कर दी गई है, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। शिकायतकर्ता ने कहा उस ठेले पर एक भी पान का पत्ता नहीं मिलता। शिवसेना नगर अध्यक्ष केशव यादव ने थाना प्रभारी से मांग की है कि अवैध ठेले को तुरंत बंद कराकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि बच्चों का भविष्य और गांव का माहौल सुरक्षित रह सके। थाना प्रभारी ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की है और मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सावन मास में पंचवटी धाम में हो रहा भगवान भोलेनाथ का मनमोहक श्रृंगार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सावन मास के पावन अवसर पर नगर स्थित पंचवटी धाम में भगवान भोलेनाथ का प्रतिदिन आकर्षक एवं मनमोहक श्रृंगार किया जा रहा है। विशेष रूप से भगवान का भव्य श्रृंगार किया गया, जिसके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। सावन के शनिवार होने के कारण पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्तों की विशेष चहल-पहल बनी रही। श्रृंगार के उपरांत शाम 7:30 बजे छोटे-छोटे बच्चों द्वारा हारमोनियम, ढोलक, मंजीरा, तारे एवं मृदंग की मधुर धुनों के साथ भगवान भोलेनाथ की आरती उतारी गई। बच्चों की मधुर लय और ताल ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। उपस्थित सभी भक्तों ने श्रद्धापूर्वक ताली बजाते हुए आरती में सहभागिता की। इसके पश्चात शिव भजनों का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। कार्यक्रम के अंत में सभी भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया गया। भगवान भोलेनाथ का श्रृंगार करने वाली शिवभक्त प्रज्ञा कटारे ने बताया कि यह सब भगवान शिव की कृपा से ही संभव हो पाता है। उन्होंने कहा मेरे लिए सब कुछ भोलेनाथ ही हैं। उन्हीं की प्रेरणा और आशीर्वाद से प्रतिदिन उनका मनमोहक श्रृंगार करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। सावन मास में पंचवटी धाम का आध्यात्मिक वातावरण श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

मेट्रो एंकर

नगर में यातायात पुलिस ने चलाया चैकिंग अभियान

वाहन चालकों पर नियमों का उल्लंघन करने पर वसूला जुर्माना

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

पुलिस द्वारा तेंदूखेड़ा-जबलपुर मार्ग पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करना तथा आमजन को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना था। चेकिंग के दौरान पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले सात दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 2,500 रुपये का जुर्माना वसूला। वहीं चार चारपहिया वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश देकर चेतावनी दी गई। पुलिस की सख्ती को देखते हुए कई वाहन चालक दूर से ही पुलिस दल को देखकर मार्ग बदलते अथवा वापस लौटते नजर आए। अभियान के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक सरोज सिह ठाकुर ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनकर तथा चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने की अपील की। साथ ही वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, मोड़ों एवं दिशा-सूचक संकेतों का ध्यान रखने तथा नियंत्रित गति से वाहन चलाने की समझाइश दी। उन्होंने विशेष रूप से चेतावनी देते हुए कहा कि नशे की हालत में वाहन चलाना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि इससे चालक एवं अन्य राहगीरों का जीवन भी गंभीर खतरे में पड़ सकता है। ऐसे मामलों में पुलिस द्वारा कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। पुलिस द्वारा इस प्रकार के विशेष चेकिंग अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे स्वयं भी यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ऐतिहासिक उपलब्धि : ग्लास्गो में भारतीय मुक्केबाजों का स्वर्णिम पंच

ग्लास्गो , एजेंसी

ग्लास्गो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 भारतीय मुक्केबाजी के लिए ऐतिहासिक साबित हुए। भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर कुल 10 पदक अपने नाम किए। यह राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में मुक्केबाजी में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खेल के दसवें दिन भारतीय महिला और पुरुष मुक्केबाजों ने एक के बाद एक दमदार जीत दर्ज कर देश का गौरव बढ़ाया।

दिन की शुरुआत महिलाओं के 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार के स्वर्ण पदक से हुई। उन्होंने कनाडा की स्कार्लेट सवाना डेलगाडो को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रीति ने तीनों राउंड में आक्रामक मुक्केबाजी करते हुए सभी पांच जजों का समर्थन हासिल किया। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने मलावी, नॉर्दन आयरलैंड और जाम्बिया की मुक्केबाजों को हराने के बाद फाइनल में भी शानदार प्रदर्शन किया।

प्रीति की जीत के महज 15 मिनट बाद जैस्मिन लंबोरिया ने महिलाओं के 57 किलोग्राम वर्ग में नॉर्दन आयरलैंड की अनुभवी मुक्केबाज मिकेला वॉल्श को 5-0 से हराकर भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीत लिया। पहले राउंड में मामूली बढ़त लेने के बाद जैस्मिन ने अगले दोनों राउंड में पूरी तरह दबदबा बनाकर मुकाबला अपने नाम किया।

महिला मुक्केबाजों का स्वर्णिम जलवा

भारतीय महिला मुक्केबाजों ने इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। साक्षी चौधरी ने 51 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में इंग्लैंड की रुबी व्हाइट को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया धनखस ने पहला राउंड गंवाने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए कनाडा की मैरी बाथेल अल अहमदी को 4-1 से हराकर गोल्ड अपने नाम किया। महिलाओं के 70 किलोग्राम वर्ग में अरुंधति चौधरी ने इंग्लैंड की चेंटेले रीड को 5-0 से हराकर एक और स्वर्ण भारत की झोली में डाला। हालांकि ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन 75 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की एम्मा सुई ग्रीनट्री से 1-4 से हार गईं और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

पुरुष मुक्केबाजों ने भी दिखाया दम

पुरुष वर्ग में सचिन सिवाच ने 60 किलोग्राम फाइनल में नामीबिया के ट्राईगेन मॉर्निंग नदेवेलो को 3-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। मुकाबले के अंतिम क्षणों में लगाए गए उनके जोरदार पंच ने मैच का रुख बदल दिया। 80 किलोग्राम वर्ग में अंकुश ने इंग्लैंड के डिमेजी शिट्टू को 4-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, 55 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में जादूमणि सिंह को ऑस्ट्रेलिया के झाई डिक्सन के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक मिला। सुपर हैवीवेट 90+ किलोग्राम वर्ग में नरेंद्र भी इंग्लैंड के डमार थॉमस से हार गए और रजत पदक के साथ अभियान समाप्त किया।

भारत ने रचा नया कीर्तिमान

भारतीय मुक्केबाजों ने ग्लास्गो में सात स्वर्ण और तीन रजत सहित कुल 10 पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह कॉमनवेल्थ गेम्स में मुक्केबाजी में भारत का सबसे सफल अभियान साबित हुआ। महिला और पुरुष दोनों वर्गों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन तकनीक, आक्रामक खेल और दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया को भारतीय मुक्केबाजी की नई ताकत का अहसास कराया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने न केवल भारत की पदक तालिका को मजबूत किया, बल्कि भविष्य के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए भी भारतीय मुक्केबाजी को नई पहचान दिलाई।

पाक कप्तान से गले मिलीं इंडिया की स्टार क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स

मैदान पर जीती खेल भावना...

साउथम्प्टन, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबले हमेशा रोमांच के साथ भावनाओं से भी जुड़े रहे हैं। पिछले कुछ समय में दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव का असर क्रिकेट मैदान पर भी दिखाई देता रहा, जहां कई अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच पारंपरिक अभिवादन को लेकर चर्चाएं हुईं। ऐसे माहौल के बीच इंग्लैंड में खेली जा रही द हंड्रेड महिला लीग से सामने आई एक तस्वीर ने खेल प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना मैच के बाद न सिर्फ हाथ मिलाती नजर आईं, बल्कि दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाकर खेल भावना का खूबसूरत संदेश भी दिया।

साउथम्प्टन के द रोज बाउल मैदान पर खेले गए मुकाबले में सदर्न ब्रेव्स ने बर्मिंघम फीनिक्स को 24 रन से हराया। मैच समाप्त होने के बाद जब दोनों टीमों के खिलाड़ी एक-दूसरे से मिले, तब जेमिमा रोड्रिग्स और फातिमा सना की मुलाकात सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बन गई। दोनों खिलाड़ियों ने मुस्कुराते हुए हाथ मिलाया और फिर गले लगकर एक-दूसरे का सम्मान किया। कुछ ही पलों का यह दृश्य कैमरे में कैद हुआ और देखते ही देखते सामाजिक माध्यमों पर तेजी से फैल गया।

हाल के वर्षों में रही अलग तस्वीर

इस तस्वीर की चर्चा इसलिए भी ज्यादा हो रही है क्योंकि पिछले कुछ अंतरराष्ट्रीय भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में दोनों देशों के कप्तानों के बीच पारंपरिक हाथ मिलाने की तस्वीरें देखने को नहीं मिली थीं। वर्ष 2025 के एशिया कप से इस विषय ने विशेष चर्चा बटोरी, जब मैच से पहले और बाद में दोनों टीमों के कप्तानों के बीच औपचारिक अभिवादन नहीं हुआ। इसके बाद भी कई बड़े टूर्नामेंटों में ऐसा ही देखने को मिला। अंडर-19 विश्व कप 2026 में भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे और पाकिस्तान के फरहान यूसुफ के बीच टॉस के दौरान हाथ नहीं मिलाने की चर्चा रही। इसके बाद पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 में सूर्यकुमार यादव और सलमान अली आगा, जबकि महिला टी-20 विश्व कप में हरमनप्रीत कौर और फातिमा सना के बीच भी पारंपरिक अभिवादन नहीं हुआ था। इन घटनाओं ने खेल जगत में काफी बहस छेड़ी थी।

पिता का सपना, बेटी का सुनहरा वादा... आंसुओं के साथ अस्मिता ने रचा इतिहास

सात महीने पहले पिता को खोने का दर्द, खेल छोड़ने तक का आया था ख्याल...

नई दिल्ली, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत की 23 वर्षीय जूडो खिलाड़ी अस्मिता डे ने सिर्फ स्वर्ण पदक ही नहीं जीता, बल्कि संघर्ष, हौसले और पिता के अधूरे सपने को पूरा करने की ऐसी कहानी लिख दी, जिसने पूरे देश को भावुक कर दिया। महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में कनाडा की हाइडी क्राच को हराकर अस्मिता ने भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास का पहला जूडो स्वर्ण पदक दिलाया। यह जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि इसके पीछे दर्द, त्याग और अटूट विश्वास की लंबी कहानी छिपी थी। त्रिपुरा के दक्षिण त्रिपुरा जिले के बेलोनिया की रहने वाली अस्मिता के जीवन में सात महीने पहले ऐसा दुख आया, जिसने उन्हें अंदर तक तोड़ दिया। उनके पिता का निधन हो गया और यही वह पल था जब उन्हें लगा कि अब जिंदगी और खेल दोनों थम गए हैं। अस्मिता ने स्वीकार किया कि वह मानसिक रूप से इतनी टूट चुकी थीं कि जूडो छोड़ने तक का विचार उनके मन में आने लगा था। उन्हें लगने लगा था कि अब वह अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाएंगी।

परिवार और कोच बने सबसे बड़ी ताकत

मुश्किल वक्त में उनके परिवार, कोच और साथियों ने उन्हें संभाला। सभी ने उन्हें याद दिलाया कि उनके पिता हमेशा उन्हें देश के लिए स्वर्ण पदक जीतते देखना चाहते थे। यही बात अस्मिता की सबसे बड़ी प्रेरणा बन गई। उन्होंने खुद को फिर से तैयार किया, पहले से ज्यादा मेहनत की और हर अभ्यास के साथ अपने पिता के सपने को लक्ष्य बना लिया। ग्लासगो में खेले गए फाइनल मुकाबले में कनाडा की अनुभवी खिलाड़ी हाइडी क्राच ने अस्मिता को कड़ी चुनौती दी। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और गोल्डन स्कोर तक पहुंच गया। दबाव के इस सबसे कठिन पल में भारतीय खिलाड़ी ने संयम, शानदार

कुलदीप की फिरकी का इंग्लैंड में जलवा, बेन स्टोक्स भी हुए बेबस; यॉर्कशायर को दिलाई शानदार जीत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार लेग स्पिनर कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के मेट्रो बैंक वन-डे कप में अपनी शानदार गेंदबाजी से एक बार फिर सुर्खियां बटोर ली हैं। काउंटी क्रिकेट में यॉर्कशायर का प्रतिनिधित्व कर रहे कुलदीप ने डरहम के खिलाफ बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स का बड़ा विकेट हासिल किया। उनकी बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत यॉर्कशायर ने मुकाबला सात विकेट से जीतकर टूर्नामेंट में अहम अंक अपने नाम किए।

कुलदीप यादव ने अपने पूरे स्पेल में शानदार अनुशासन और नियंत्रण का प्रदर्शन किया। उन्होंने 10 ओवर में महज 23 रन खर्च करते हुए दो विकेट झटके। उनकी 2.30 की इकोनॉमी रेट इस बात का प्रमाण रही कि उन्होंने डरहम के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का कोई मौका नहीं दिया। बीच के ओवरों में उन्होंने लगातार दबाव बनाकर विपक्षी टीम की रन गति पर पूरी तरह ब्रेक लगा दिया। मुकाबले का सबसे यादगार पल तब आया जब कुलदीप यादव ने बेन स्टोक्स को अपनी चतुराई भरी गेंद पर आउट कर दिया। स्टोक्स शुरुआत से ही संघर्ष करते नजर आए और 39 गेंदों पर सिर्फ 12 रन ही बना सके। कुलदीप की घूमती गेंद पर स्टोक्स ने रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का सही संपर्क नहीं कर सकी। बैकवर्ड प्वाइंट पर मौजूद जॉर्ज हिल ने आसान कैच लपककर स्टोक्स की पारी का अंत कर दिया।

टीम इंडिया के लिए सकारात्मक संकेत

कुलदीप यादव की शानदार लय भारतीय टीम के लिए भी राहत की खबर है। विदेशी परिस्थितियों में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन यह दिखाता है कि वह बड़े मुकाबलों के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आगामी अंतरराष्ट्रीय सीरीज और बड़े टूर्नामेंटों से पहले उनका फॉर्म में होना टीम इंडिया के स्पिन आक्रमण को मजबूती देगा। कुलदीप ने एक बार फिर साबित किया कि उनकी कलाई की फिरकी आज भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

राघव जुयाल के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

साई पल्लवी मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं, निहारिका एनएम ने खोले दिल के राज

सोशल मीडिया की दुनिया से अभिनय के सफर तक अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री निहारिका एनएम ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी सिर्फ बेहतरीन कलाकार ही नहीं, बल्कि अपनी सादगी और स्वाभाविक व्यक्तित्व के कारण उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। निहारिका का मानना है कि आज के दौर में बिना किसी बनावटी छवि के दर्शकों के दिलों में जगह बनाना आसान नहीं है और साई पल्लवी ने यह मुकाम अपने दम पर हासिल किया है।

एक बातचीत में निहारिका ने कहा कि वह लंबे समय से साई पल्लवी के अभिनय और व्यक्तित्व की प्रशंसक रही हैं। उनके अनुसार साई पल्लवी की खूबसूरती केवल उनके चेहरे में नहीं, बल्कि उनके सहज व्यवहार और काम के प्रति समर्पण में भी दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी ने यह साबित किया है कि सच्ची प्रतिभा और ईमानदार अभिनय ही किसी कलाकार की सबसे बड़ी पहचान होते हैं।

साई पल्लवी के अलावा निहारिका ने बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री तब्बू और दिवंगत सुपरस्टार श्रीदेवी की भी दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि तब्बू हर किरदार में नई जान डाल देती हैं और उनकी अभिनय क्षमता आज भी दर्शकों को प्रभावित करती है। वहीं श्रीदेवी को उन्होंने भारतीय सिनेमा की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में शामिल बताते हुए कहा कि उनकी फिल्मों और अभिनय से आने वाली पीढ़ियां हमेशा प्रेरणा लेती रहेंगी।

भाई तेरा स्टार है की कहानी ने किया प्रभावित

निहारिका ने अपनी नई फिल्म भाई तेरा स्टार है को लेकर भी उत्साह जताया। उन्होंने बताया कि इस फिल्म की कहानी ने उन्हें पहली ही बार में आकर्षित कर लिया था। उनका कहना है कि स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि यह ऐसी फिल्म है, जिसे वह खुद भी दर्शक बनकर देखना पसंद करेंगी। यही वजह रही कि उन्होंने इस परियोजना का हिस्सा बनने का फैसला किया। फिल्म में अभिनेता और डांसर राघव जुयाल के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए निहारिका ने कहा कि उनके साथ शूटिंग करना बेहद आनंददायक रहा।

जाह्नवी कपूर संग रीयूनियन पर भावुक हुए ईशान खट्टर, बोले-जैसे समय बीता ही नहीं

अभिनेता ईशान खट्टर ने शुक्रवार को अपनी पहली को-स्टार जाह्नवी कपूर के साथ हैप्पी मूमेंट शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर खास पोस्ट कर फैंस को पुरानी यादों से रूबरू कराया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर जाह्नवी के साथ तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, कुछ रीयूनियन ऐसा एहसास दिलाते हैं कि जैसे समय बीता ही नहीं है। जाह्नवी कपूर। शेयर की गई तस्वीर में ईशान मैचिंग पगड़ी के साथ आइवरी शेरवानी पहने हुए दिख रहे हैं और जाह्नवी भारी कढ़ाई वाले मैरून लहंगे के साथ स्टेटमेंट ज्वेलरी में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। दोनों एक सीढ़ी पर बैठे, एक-दूसरे का हाथ पकड़े और तस्वीर के लिए पोज देते हुए दिख रहे हैं।

इस रीयूनियन ने फैंस को 2018 में रिलीज हुई धड़क में उनकी सफल ऑन-स्क्रीन जोड़ी की याद दिला दी, जिसमें जान्हवी कपूर ने ईशान के साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर बॉलीवुड डेब्यू किया था। शशांक खेतान द्वारा डायरेक्टेड और धर्मा प्रोडक्शंस, जी स्टूडियोज और क्लाउड 9 पिक्चर्स द्वारा प्रोड्यूस की गई। यह रोमांटिक ड्रामा नागराज मंजुले की मशहूर मराठी ब्लॉकबस्टर सैराट का ऑफिशियल हिंदी रीमेक थी, जो 2016 में रिलीज हुई थी। जाह्नवी और ईशान के बीच की केमिस्ट्री को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था और इसने उन्हें साल की सबसे चर्चित फ्रेश ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक बना दिया था। दोनों आज भी करीबी दोस्त हैं और पिछले कुछ साल में इंडस्ट्री इवेंट्स और पब्लिक अपीयरेंस में भी साथ दिखे हैं। उन्हें आखिरी बार नीरज घायवान की होमबाउंड में एक साथ देखा गया था, जिसमें जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा ने एक्टिंग की थी।

मेट्रो बाजार

जी एंटरटेनमेंट पर सेबी का बड़ा एक्शन, पुनीत गोयनका और सुभाष चंद्रा पर भी लगा बाजार से प्रतिबंध

मुंबई। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जीईईएल) और उसके शीर्ष अधिकारियों पुनीत गोयनका तथा सुभाष चंद्रा के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। नियामक ने कंपनी को दो महीने के लिए प्रतिभूति बाजार में कारोबार से प्रतिबंधित कर दिया है, जबकि पुनीत गोयनका और सुभाष चंद्रा पर 12 महीने तक बाजार में लेनदेन करने पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही तीनों पर कुल 1.48 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

सेबी की जांच में सामने आया कि जीईईएल की हैदराबाद स्थित जमीन को एस्सेल समूह की कंपनियों द्वारा लिए गए कर्ज के बदले अतिरिक्त सुरक्षा के रूप में गिरवी रखा गया था। नियामक के अनुसार, इस फैसले के लिए न तो कंपनी की लेखा परीक्षा समिति, न निदेशक मंडल और न ही शेयरधारकों से आवश्यक मंजूरी ली गई थी। यही कारण है कि इसे नियमों का गंभीर उल्लंघन माना गया। मामले की शुरुआत वित्त वर्ष 2018-19 के वैधानिक लेखा परीक्षण के दौरान हुई, जब कंपनी की कुछ अचल संपत्तियों के मूल स्वामित्व दस्तावेज उपलब्ध नहीं मिले। जांच में पता चला कि वर्ष 2016 में एस्सेल समूह की चार कंपनियों ने एक वित्तीय संस्था से 726 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। बाद में अतिरिक्त सुरक्षा की मांग होने पर दिसंबर 2018 में जीईईएल की हैदराबाद स्थित जमीन के मूल दस्तावेज जमा कराकर उसे कर्ज के लिए बंधक बनाया गया।

जुलाई में UPI ने बनाया रिकॉर्ड, 23.66 अरब ट्रांजेक्शन के साथ बढ़ी भारत की वैश्विक ताकत

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल भुगतान व्यवस्था लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2026 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से 23.66 अरब (बिलियन) ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। वहीं इन लेनदेन का कुल मूल्य भी 19 प्रतिशत बढ़कर 29.88 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ये आंकड़े बताते हैं कि देश में डिजिटल भुगतान अब आम लोगों की दिनचर्या का अहम हिस्सा बन चुका है।

एनपीसीआई के अनुसार, जुलाई महीने में प्रतिदिन औसतन 76.3 करोड़ यूपीआई ट्रांजैक्शन हुए। दैनिक आधार पर लेनदेन का औसत मूल्य 96,383 करोड़ रुपये रहा। यह दर्शाता है कि छोटे भुगतान से लेकर बड़े वित्तीय लेनदेन तक यूपीआई पर लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। जून 2026 में 22.72 अरब ट्रांजैक्शन हुए थे, जिनका कुल मूल्य 28.92 लाख करोड़ रुपये था। जुलाई में ट्रांजैक्शन की संख्या और कुल मूल्य दोनों में और बढ़ोतरी दर्ज की गई।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले पांच वित्त वर्षों में यूपीआई ने अभूतपूर्व विस्तार किया है। वित्त वर्ष 2021-22 में 4,595.61 करोड़ ट्रांजैक्शन दर्ज हुए थे, जिनका कुल मूल्य 84.16 लाख करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2022-23 में यह संख्या बढ़कर 8,371.44 करोड़ हो गई। इसके बाद 2023-24 में 13,112.95 करोड़ और 2024-25 में 18,586.60 करोड़ ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए। इसी अवधि में कुल लेनदेन मूल्य भी लगातार बढ़ता गया, जो डिजिटल अर्थव्यवस्था की मजबूत होती तस्वीर पेश करता है।

हिमालय की गोद में बसी है चंद्रताल झील, जिसे कहते हैं 'मून लेक'

हिमाचल प्रदेश के स्पीति घाटी में समुद्र तल से लगभग 4,300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित चंद्रताल झील अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। धर्चंद्राकार आकार के कारण इसे 'मून लेक' भी कहा जाता है। नीले और साफ पानी वाली इस झील में आसपास की बर्फ से ढकी पहाड़ियों का प्रतिबिंब बेहद मनमोहक दिखाई देता है, जो पर्यटकों और फोटोग्राफी प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। चंद्रताल झील ट्रेकिंग और एडवेंचर के शौकीनों के लिए भी पसंदीदा स्थान मानी जाती है। हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक यहां ट्रेकिंग, कैंपिंग और प्रकृति का आनंद लेने पहुंचते हैं। यह झील स्पीति और लाहौल घाटी को जोड़ने वाले मार्ग के पास स्थित है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, चंद्रताल का धार्मिक महत्व भी है। गर्मियों के मौसम में यहां का मौसम सुहावना रहता है, जबकि सर्दियों में पूरा क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर से ढक जाता है।

पेंटागन की लीक रिपोर्ट से हुआ खुलासा

ईरान से 5 महीने की जंग ने अमेरिका को थकाया, हथियारों की कमी से बढ़ा संकट

वॉशिंगटन. एजेंसी

ईरान और उसके सहयोगी समूहों के साथ पिछले पांच महीनों से जारी तनाव ने अमेरिका की सैन्य क्षमता और संसाधनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यूरोप में अमेरिकी सेना के कमांडर जनरल एलेक्सस ग्रिंकेविच ने पेंटागन को भेजे एक पत्र में चेतावनी दी है कि मौजूदा संसाधनों के साथ इजरायल की सुरक्षा को लंबे समय तक बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जनरल ने अतिरिक्त युद्धपोतों और हथियारों की मांग करते हुए कहा है कि यदि समय रहते संसाधन नहीं बढ़ाए गए तो अमेरिका को अपनी सुरक्षा और सहयोगी देशों के बीच प्राथमिकताएं तय करनी पड़ सकती हैं। लगातार सैन्य अभियानों के कारण पैट्रियट मिसाइल इंटरसेप्टर और अन्य रक्षा प्रणालियों के भंडार पर दबाव बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि स्पेन के रोटा नौसैनिक अड्डे पर तैनात अमेरिकी युद्धपोत लगातार अभियान में जुटे हैं, जिससे उनके रखरखाव और मरम्मत का काम भी प्रभावित हो रहा है। दूसरी ओर, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज क्षेत्र में बना तनाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

पेंटागन की रिपोर्ट से मचा हड़कंप

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यूरोप में तैनात अमेरिकी सेना के कमांडर जनरल एलेक्सस ग्रिंकेविच ने पेंटागन को भेजे पत्र में अतिरिक्त युद्धपोत और सैन्य सहायता की मांग की है। इस संवेदनशील पत्र के सार्वजनिक होने के बाद अमेरिका की सैन्य तैयारियों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा संसाधनों के साथ लंबे समय तक इजरायल की सुरक्षा बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल सैन्य संसाधनों का मुद्दा नहीं, बल्कि अमेरिका की वैश्विक रणनीति और उसकी प्राथमिकताओं से भी जुड़ा हुआ है। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन ने आधिकारिक रूप से इन दावों पर विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं दी है ग

हथियारों, युद्धपोतों पर कितना दबाव

लगातार सैन्य अभियानों के कारण अमेरिकी रक्षा संसाधनों पर दबाव बढ़ने की खबरें सामने आई हैं। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि पैट्रियट मिसाइल इंटरसेप्टर और अन्य एयर डिफेंस सिस्टम के भंडार पर असर पड़ा है। स्पेन के रोटा नौसैनिक अड्डे पर तैनात कई युद्धपोत लगातार अभियान में लगे हुए हैं, जिससे उनके नियमित रखरखाव और मरम्मत में कठिनाइयां आ रही हैं। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष किसी भी देश की सैन्य क्षमता और लॉजिस्टिक नेटवर्क की परीक्षा लेते हैं। ऐसे में संसाधनों का संतुलित उपयोग और नई रणनीति बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है।

कुलगाम आतंकी हमला: बातचीत के बाद पानी मांगा, फिर मजदूरों पर चला दी गोलियां

लतीफ बट बैग में छिपाकर लाया था राइफल

श्रीनगर. एजेंसी

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में शुक्रवार रात हुए आतंकी हमले ने एक बार फिर इंसानियत को शर्मसार कर दिया। रोजी-रोटी की तलाश में छत्तीसगढ़ से आए दो मजदूरों की आतंकियों ने बेरहमी से हत्या कर दी। शुरुआती जांच के अनुसार, लश्कर से जुड़े आतंकी लतीफ बट ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

बताया जा रहा है कि आरोपी एक ईंट-भट्ठे पर पहुंचा और करीब 15 से 20 मिनट तक मजदूरों के बीच बैठकर उनसे बातचीत करता रहा। उसने उनका नाम पूछा और उन्हें भरोसा दिलाया कि वह किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाएगा। उसके पास मौजूद काले बैग में एक असॉल्ट राइफल छिपी हुई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब मजदूरों का भरोसा उस पर बन गया, तब उसने प्यास लगने की बात कही। जैसे ही एक मजदूर की पत्नी उसके लिए पानी लेने गई,

आतंकी ने दोनों मजदूरों पर नजदीक से गोलियां चला दीं। घटना के समय पास में एक छोटा बच्चा भी मौजूद था। वारदात के बाद हमलावर अपने साथी के साथ मौके से फरार हो गया। सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों का मानना है कि इस तरह की घटनाओं का उद्देश्य क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल पैदा करना है।

पानी मांगकर दिया धोखा

कुलगाम हमले की सबसे दर्दनाक बात यह रही कि आतंकियों ने पहले मजदूरों का विश्वास जीता और फिर उसी भरोसे का फायदा उठाकर हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, आरोपी करीब 20 मिनट तक मजदूरों के साथ बैठा रहा और सामान्य बातचीत करता रहा। उसने खुद को सुरक्षित व्यक्ति के रूप में पेश किया, जिससे मजदूरों का शक दूर हो गया। इसके बाद उसने पानी मांगा। जैसे ही एक महिला पानी लेने के लिए कमरे से बाहर गई, आतंकी ने छिपाई गई राइफल निकालकर दोनों मजदूरों पर गोलियां चला दीं। इस हमले ने न सिर्फ दो लोगों की जान ली, बल्कि मानवता और विश्वास को भी गहरी चोट पहुंचाई है।

भय फैलाने की थी रणनीति

विशेषज्ञों का मानना है कि हाल के वर्षों में आतंकी संगठन केवल हिंसा फैलाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज में भय, अविश्वास और सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की रणनीति पर भी काम कर रहे हैं। इससे पहले पहलगाम में भी आतंकियों ने पर्यटकों की पहचान पूछकर हमला किया था।

सिंधु जल संधि पर भारत का कड़ा संदेश

पहले आतंकवाद खत्म करे पाक, तभी आगे बढ़ेगी बातचीत : विनय मोहन

वॉशिंगटन. एजेंसी

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि यदि इस्लामाबाद वास्तव में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाना चाहता है तो उसे सबसे पहले आतंकवाद के ढांचे को समाप्त करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला पाकिस्तान के वर्षों पुराने रवैये का परिणाम है।

न्यूजवीक पत्रिका में प्रकाशित अपने लेख में क्वात्रा ने कहा कि 1960 में हुई सिंधु जल संधि सद्भावना और मित्रता की भावना से संपन्न हुई थी, लेकिन पाकिस्तान ने पिछले कई दशकों में युद्ध और सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देकर इस भावना को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा संधि का सम्मान किया, जबकि पाकिस्तान ने

कई जल परियोजनाओं में अड़चनें पैदा कीं और तकनीकी बदलावों का विरोध किया। क्वात्रा ने 1965, 1971 और 1999 के युद्धों के अलावा संसद हमला, मुंबई हमला, उरी, पठानकोट, पुलवामा और पहलगाम आतंकी हमलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन घटनाओं ने दोनों देशों के बीच विश्वास को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान में पानी की कमी के लिए भारत नहीं, बल्कि वहां की खराब जल प्रबंधन व्यवस्था जिम्मेदार है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते।

क्या है सिंधु जल संधि

भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ष 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता से सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर हुए थे। इस समझौते के तहत सिंधु बेसिन की छह नदियों का बंटवारा किया गया था। भारत को रावी, ब्यास और सतलुज नदियों का नियंत्रण मिला, जबकि पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों के जल उपयोग का अधिकार दिया गया। कुल जल का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान के हिस्से में गया, जबकि भारत को केवल 20 प्रतिशत जल मिला। इसके बावजूद भारत ने दशकों तक इस संधि का पालन किया। हाल के वर्षों में बढ़ते आतंकवाद और सीमा पार हमलों के बाद भारत ने संधि की समीक्षा और उसे स्थगित रखने का फैसला लिया है। भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने अपने लेख में पाकिस्तान समर्थित कई बड़े आतंकी हमलों का उल्लेख किया। इनमें वर्ष 2001 का संसद हमला, 2008 का मुंबई आतंकी हमला, 2016 के उरी और पठानकोट हमले, 2019 का पुलवामा हमला और 2025 का पहलगाम आतंकी हमला शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे को कमजोर किया है।

एमएनएस के अध्यक्ष राज ठाकरे बोले

सिद्धि विनायक मंदिर से हर साल 18 करोड़ का दान होता है चोरी

मुंबई. एजेंसी

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने दावा किया है कि मुंबई के मशहूर सिद्धि विनायक मंदिर में हर साल 18 करोड़ रुपये का चंदा हड़प लिया जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अयोध्या के राम मंदिर में 1,400 करोड़ रुपये की चोरी हुई है।

ठाकरे ने कहा कि आजकल मंदिर भी सुरक्षित नहीं हैं और उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर बात करें। एमएनएस प्रमुख अपनी पार्टी की छात्र शाखा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि निराश युवा मंदिरों में जाते हैं, लेकिन मंदिर भी भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं हैं। ठाकरे ने महाराष्ट्र के डिप्टी

सीएम एकनाथ शिंदे को आठ ट्रस्टियों द्वारा लिखे गए एक पत्र को पढ़कर सुनाते हुए कहा कि सिद्धि विनायक मंदिर के दान पेटी से पैसे चुराने वाले कुछ कर्मचारियों को ट्रस्टियों की सतर्कता के कारण पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि चोरी पकड़े जाने से पहले मंदिर की दान से होने वाली साप्ताहिक कमाई 50 लाख रुपये से कम थी और उसके बाद यह कलेक्शन बढ़कर 1.5 करोड़ रुपये हो गया।

सुबह शौच के लिए घर से निकली 14 साल की बच्ची का मिला शव, रेप के बाद हत्या की आशंका

सतना. एजेंसी

सतना जिले के कोटर थाना क्षेत्र अंतर्गत अबेर-लखनवाह सड़क मार्ग पर आज सुबह झाड़ियों के बीच एक 14 साल की बच्ची का निर्वस्त्र शव मिला। बिना कपड़ों के पड़े मासूम के शव को देखकर राहगीरों ने पहले कपड़े से ढका और तुरंत पुलिस को सूचना दी। परिजनों के अनुसार, बालिका सुबह 5 बजे शौच के लिए घर से निकली थी, लेकिन महज एक घंटे बाद घर से 100 मीटर दूर उसकी लाश मिली।

पुलिस को सुबह करीब 6:30 बजे जानकारी मिली कि सड़क किनारे झाड़ियों में एक लड़की का शव पड़ा है। घटना की खबर मिलते ही गांव में मातम छा गया। परिजनों

का रो-रोकर बुरा हाल है। शव की हालत पुलिस को आशंका है कि दुष्कर्म के बाद लड़की की हत्या की गई है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कोटर पुलिस ने रामपुर बघेलान से फॉरेंसिक टीम और महिला पुलिस अधिकारी को जांच के लिए बुलाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर ही मौत के असली कारणों और वारदात का खुलासा हो सकेगा।

दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा

इस मामले पर बात करते हुए कोटर थाना प्रभारी दिलीप मिश्रा ने कहा- मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है। हर पहलू पर बारकी से जांच की जा रही है। आसपास के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज खंगाले जा रहे हैं तथा संदिग्धों और ग्रामीणों से पूछताछ जारी है। इस जघन्य अपराध के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

दोपहर मेट्रो

डीआरडीओ की बड़ी तैयारी, एक मास्टर ड्रोन के नियंत्रण में उड़ेंगे 49 ड्रोन

भविष्य के युद्ध... 50 स्वार्म ड्रोन्स का ग्रिड रखेगा दुश्मनों पर नजर

नई दिल्ली. एजेंसी

भविष्य के युद्धों और सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी को और मजबूत बनाने के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) स्वदेशी स्वार्म ड्रोन प्रणाली विकसित करने जा रहा है। इस अत्याधुनिक परियोजना के तहत 50 ड्रोन का एक बेड़ा तैयार किया जाएगा, जिसमें 49 ड्रोन 7×7 ग्रिड फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे, जबकि एक मास्टर ड्रोन पूरे सिस्टम को नियंत्रित करेगा।

डीआरडीओ द्वारा जारी प्रस्ताव के अनुसार, मास्टर ड्रोन सीधे ग्राउंड स्टेशन से निर्देश प्राप्त करेगा और बाकी ड्रोनों के बीच समन्वय स्थापित करेगा। यह प्रणाली 72 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवा और 5,000 मीटर की ऊंचाई पर भी प्रभावी ढंग से काम कर सकेगी।

हर ड्रोन 500 ग्राम से लेकर 2 किलोग्राम तक पेलोड ले जाने में सक्षम होगा। इनकी उड़ान अवधि कम से कम 30 मिनट होगी और केवल

15 मिनट में इन्हें दोबारा चार्ज किया जा सकेगा। यह ड्रोन 15 से 25 किलोमीटर की दूरी तक जाकर अपना मिशन पूरा कर सकेंगे। डीआरडीओ ने इस परियोजना में कम से कम 70 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री के उपयोग को अनिवार्य बनाया है। साथ ही, सुरक्षा कारणों से प्रतिद्वंद्वी देशों के कंपोनेंट्स के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। अगले 24 महीनों में डिजाइन, प्रोटोटाइप और परीक्षण का काम पूरा किया जाएगा।

भविष्य के युद्ध में क्यों अहम है यह तकनीक

आधुनिक युद्धों में स्वार्म ड्रोन तकनीक को गेमचेंजर माना जा रहा है। दर्जनों ड्रोन एक साथ निगरानी, टोही और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध जैसी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं। खासकर पहाड़ी और सीमावर्ती इलाकों में यह तकनीक सेना की निगरानी क्षमता को कई गुना बढ़ा सकती है। डीआरडीओ ने इस परियोजना में 70 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री के उपयोग को अनिवार्य किया है, जिससे देश की रक्षा तकनीक आत्मनिर्भर बनेगी। साथ ही, भारतीय एमएसएमई, स्टार्टअप और निजी कंपनियों को इस परियोजना में भागीदारी का अवसर मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में भारतीय सेना की रणनीतिक ताकत को और मजबूत करेगी।

स्वार्म ड्रोन सिस्टम की खासियतें

स्वार्म ड्रोन तकनीक में कई ड्रोन एक साथ समन्वय के साथ काम करते हैं। डीआरडीओ के इस सिस्टम में कुल 50 ड्रोन होंगे, जिनमें एक मास्टर ड्रोन और 49 सहायक ड्रोन शामिल हैं। सभी ड्रोन 7म7 ग्रिड फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे और मास्टर ड्रोन के निर्देशों का पालन करेंगे। यह प्रणाली 72 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवा और 5,000 मीटर की ऊंचाई पर भी काम करने में सक्षम होगी। प्रत्येक ड्रोन 500 ग्राम से 2 किलोग्राम तक का भार उठा सकेगा। इसके अलावा, ड्रोन के बीच जैमर-प्रतिरोधी संचार प्रणाली लगाई जाएगी, जिससे दुश्मन के इलेक्ट्रॉनिक हमलों का असर कम होगा और मिशन सुरक्षित तरीके से पूरा किया जा सकेगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564